दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 04
अंकः-130
मुरादाबाद
(Saturday)
31 August 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने वाढवण बंदरगाह की आधारशिला रखी; 1560 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात भी दी

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने को लेकर पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी है। इसको लेकर उन्होंने माफी मांगी है। इससे पहले कांग्रेस ने उनसे माफी की मांग की थी। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माफी मांगी है। प्रतिमा ढहने को लेकर इससे पहले कांग्रेस ने और शिवसेना (यूबीटी) ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा था। कांग्रेस ने पूछा था कि क्या प्रधानमंत्री इसको लेकर

शिवाजी की प्रतिमा गिरने के मामले में पहली बार बोले पीएम मोदी; पालघर में सभा के दौरान मांगी माफी

माफी मांगेंगे?दरअसल, 26 अगस्त को 35 फूट ऊंची छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह गई, जिसके बाद ही राज्य में केंद्र सरकार के खिलाफ नाराजगी तेज हो गई।वधावन बंदरगाह की परियोजना का उद्देश्य विश्वस्तरीय समुद्री प्रवेश द्वार स्थापित करना है।

पालघर जिले के दहानु शहर के पास स्थित वधावन बंदरगाह भारत में गहरे पानी में स्थित सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक होगा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन के लिए सीधा संपर्क प्रदान करेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पालघर में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने उनका अभिनंदन किया। पीएम मोदी ने यहां 76,000 करोड़ रुपये की वाढवण बंदरगाह की आधारशिला रखी। उन्होंने लगभग 1,560 करोड़ रुपये की 218 मत्स्य पालन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इससे पहले उन्होंने मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024 को भी संबोधित किया। वधावन बंदरगाह की परियोजना का उद्देश्य विश्वस्तरीय समुद्री प्रवेश द्वार स्थापित करना है। पालघर जिले के दहानु शहर के पास स्थित वधावन बंदरगाह भारत में गहरे पानी में स्थित सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक होगा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन के लिए सीधा संपर्क प्रदान करेगा। यह बंदरगाह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे से लैस होगा। इसके अलावा 360 करोड़ रुपये की लागत से मछली पकड़ने वाले जहाजों के लिए संचार, सहायता प्रणाली की भी शुरुआत से भी लोगों काफी फायदा होगा। इस परियोजना के तहत, 13 तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मछली पकड़ने वाली मशीनीकृत और मोटर चालित नौकाओं पर चरणबद्ध तरीके से एक लाख ट्रांसपोंडर स्थापित किए जाएंगे। क्करूमोदी ने ट्वीट करके दी जानकारी- इससे पहले महाराष्ट्र दौरे को लेकर पीएम मोदी ने ट्वीट करके भी जानकारी दी थी। उन्होंने ट्वीट करके लिखा, %मैं 30 अगस्त को महाराष्ट्र के लोगों के बीच रहने के लिए उत्सुक हूं। मैं मुंबई और पालघर में कार्यक्रमों में हिस्सा लूंगा। मुंबई में, मैं सुबह लगभग 11 बजे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024 में हिस्सा लूंगा। यह मंच भारत की प्रगति को प्रदर्शित करता है। फिनटेक की दुनिया में और इस क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाने के बाद, मैं वाधवन बंदरगाह परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम के लिए पालघर में रहूंगा। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजना है, जो बंदरगाह के नेतृत्व वाले विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

निवेशकों से बोले सीएम योगी - यूपी पर भरोसा करने के लिए आपका धन्यवाद, हमने असंभव को संभव बनाया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी विकास का डेस्टिनेशन बन रहा है। हम विकास के लिए सारे बैरियर तोड़ देंगे।

अब प्रदेश निवेश के लिए पहले स्थान पर है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निवेशकों को संबोधित करते हुए प्रदेश पर भरोसा जताने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से हमने अपना काम कितना आगे बढ़ाया है, ये सफलतम उद्यमियों की बातों से जाहिर होता है। उनके विचार नए उत्तर प्रदेश की पहचान हैं। मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में निवेशकों को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि 2017 से पहले यूपी में इस तरह का माहौल नहीं था कि किसी उद्यमी से कहा जा सके कि यहां पर निवेश कीजिए। पुरानी सरकारों का दायरा सीमित था और उनका यह लक्ष्य भी नहीं था कि प्रदेश में निवेश हो। उनका लक्ष्य केवल सत्ता प्राप्त करना था। महिला सुरक्षा, युवा और किसानों के भविष्य से खिलवाड़ होता था। यूपी के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। यहां के युवा प्रदेश के बाहर हेय दृष्टि से देखे जाते थे। प्रदेश में दंगे होते थे और त्योहारों पर कर्फ्यू लग जाता था। आज ईज आफ डूइंग बिजनेस और कानून व्यवस्था में प्रदेश सबसे आगे है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए 27 सेक्टोरियल पॉलिसी बनाई गईं। कारोबारियों से राय ली गई। पहली बार हमारे पास 20 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए। मैंने मिनिमम लिमिट 2 लाख करोड़ रुपये रखी। कोई मानने को तैयार नहीं था। आज 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं। हमने दस लाख करोड़ की ग्राउंड ब्रेकिंग सरेमनी की। कोई भी इसे ऑनलाइन देख सकता है। उन्होंने कहा कि हर समय टिप्पणी करने वाले देखें कि हमने असंभव को संभव बना दिया है। आज यूपी निवेश के लिए सबसे तीव्र डेस्टिनेशन है। निवेशकों से कहा कि हम विकास के लिए सारे बैरियर तोड़ेंगे और यूपी विकास का बैरियर नहीं बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस भर्ती परीक्षा का चौथा दिन: अभ्यर्थी बोले- पेपर तो ठीक गया पर लीक होने का डर लग रहा

पुलिस भर्ती परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों ने कहा कि पेपर तो अच्छा हुआ है। प्रशासनिक व्यवस्थाएं भी चाक-चौबंद हैं लेकिन फिर भी पेपर लीक का डर लगा रहता है।

ऐसा अब न हो तो अच्छा है क्योंकि इससे अभ्यर्थियों का समय काफी खराब होता है।यूपी में पुलिस भर्ती परीक्षा के चौथे दिन पेपर देकर लौटे अभ्यर्थियों ने अपने अनुभव बताए।

उन्होंने कहा कि पेपर अच्छा रहा। हालांकि, गणित के सवाल कठिन थे। प्रशासनिक व्यवस्थाएं भी दुरुस्त रही हैं। परीक्षा केंद्र पर ऐसा माहौल है कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता है

लेकिन फिर भी पेपर लीक होने का डर लगता है। परीक्षा देकर केंद्र से निकले बलरामपुर के प्रमोद कुमार ने कहा कि पहले जो हो चुका है वो न हो तो अच्छा है क्योंकि इससे अभ्यर्थियों का काफी समय खराब होता है।परीक्षा के दौरान एसटीएफ और जिलों की पुलिस, सॉल्वर्स और परीक्षा में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने का प्रयास करने वालों पर कड़ी नजर रख रही है।

प्रथम पाली की परीक्षा 10 बजे शुरू हुई। दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर तीन बजे से होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने का प्रयास करने वालों को केंद्रों के मुख्य द्वार पर ही पकड़ने का इंतजाम किया गया है।

आजादी के बाद महिलाओं को देश के विकास में योगदान देने से वंचित रखा गया, राजनाथ सिंह का बयान

राजनाथ सिंह ने कहा कि जब मैं गृह मंत्री था तो मैंने सभी राज्यों को निर्देश जारी किए थे कि वे अपने राज्य के सुरक्षा बलों में एक तिहाई सीटें महिला उम्मीदवारों से भरें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि स्वतंत्रता के बाद महिलाओं को इस देश के विकास में सक्रिय योगदान देने से वंचित रखा गया, लेकिन अब स्थिति तेजी से बदल रही है। रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ी हिस्सेदारी का उदाहरण दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब मैं गृह मंत्री था तो मैंने सभी राज्यों को निर्देश जारी किए थे कि वे अपने राज्य के सुरक्षा बलों में एक तिहाई सीटें महिला उम्मीदवारों से भरें। आज सभी पुलिस बलों और अर्द्धसैनिक बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।%तीन तलाक को लेकर बोले राजनाथ सिंह- राजनाथ सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों में महिलाओं के प्रवेश की कई बाधाएं दूर हो गई हैं। सशस्त्र बलों के तीनों विंग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। सैनिक स्कूलों में भी महिलाओं को प्रवेश दिया जा रहा है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी को भी महिलाओं के लिए खोल दिया गया है। अब तक देश में हजारों युवा लड़कियां एनडीए प्रवेश परीक्षा में भाग लेती हैं। मुस्लिम समुदाय को लेकर राजनाथ सिंह ने कहा कि तीन तलाक की प्रथा हमारी मुस्लिम बहनों और बेटियों के लिए बड़ा मुद्दा थी। तीन बार तलाक

कहकर विवाह जैसी पवित्र संस्था को खत्म करना बिल्कुल भी उचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन हमारे देश में बिना किसी रोक-टोक के ये प्रथा जारी थी। हमारी सरकार ने इस कुप्रथा को खत्म करने की इच्छाशक्ति दिखाई। यह मुस्लिम महिलाओं के लिए बड़ी राहत की बात है। कोलकाता की घटना पर बोले- रक्षा मंत्री ने कहा कि देश में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों और अपराधों को देखते हुए, ऐसा लगता है कि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हमारी सरकार ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रति सख्त रवैया अपनाया है, लेकिन कई राज्य इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास नहीं कर रहे हैं। कोलकाता में हाल ही में हुई दिल दहला देने वाली घटना बहुत दुखद और शर्मनाक है। हमने बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने के लिए कानून में संशोधन किया है। इस कानून को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। 5012 वस्तुओं की स्वदेशीकरण सूचियां जारी की गई हैं। हमारे देश का रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। हमारा लक्ष्य इस वित्तीय वर्ष में 1.75 लाख करोड़ तक पहुँचना है। 2029 तक हम भारत में 3 लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन हासिल करना चाहते हैं।

मायावती ने कांग्रेस पर साधा निशाना, बोलीं- भारत जोडो यात्रा मेहनतकश लोगों का उपहास है

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस की भारत जोडो यात्रा को लेकर कहा कि कांग्रेस भी भूखे पेट लोगों से भजन करवाना चाहती है। खेलों का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस की भारत जोडो यात्रा को मेहनतकश

लोगों का उपहास बताया है। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि पेट भरे लोगों के लिए डोजो व अन्य खेलकूद के महत्व से किसी को इंकार नहीं है। लेकिन गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई व पिछड़ेपन आदि से त्रस्त जीवन जीने को मजबूर करोड़ों परिवारों का क्या होगा, जो दिन-रात पेट पालने के लिए कमरतोड़ मेहनत करते हैं।उन्होंने आगे कहा कि केंद्र व राज्य सरकारें देश के करोड़ों गरीबों व मेहनतकश लोगों को सही व सम्मानपूर्वक रोजी-रोटी की व्यवस्था कर पाने में अपनी विफलता पर पर्दा डालने के लिए उनसे भूखे पेट भजन कराते रहना चाहती हैं। विपक्षी दल कांग्रेस का भी वैसा ही जनविरोधी रवैया जनता को कैसे गवारा होगा। कांग्रेस व इनके इंडी गठबंधन ने आरक्षण व संविधान बचाने के नाम पर एससी-एसटी व ओबीसी का वोट लेकर अपनी ताकत तो बढ़ा ली लेकिन अपना वक्त निकल जाने पर उनकी भूख व तड़प को भुलाकर उनके प्रति यह क्रूर रवैया अपनाना क्या उचित है। उन्होंने कहा कि खेल का राजनीतिकरण हानिकारक है और यह अब नहीं होना चाहिए।

'पाकिस्तान के साथ बातचीत का दौर खत्म', SCO समिट के लिए पीएम मोदी को मिले न्योते के बीच जयशंकर बोले

जयशंकर ने कहा कि हर एक एक्शन का रिएक्शन होता है। जहां तक जम्मू एवं कश्मीर की बात है तो अनुच्छेद 370 समाप्त हो चुका है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने दिल्ली में एक पुस्तक विमोचन समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान, बांग्लादेश और मालदीव से जुड़े मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि पड़ोसी हमेशा एक पहेली होते हैं। मुझे बताइए कि ऐसा कौन सा देश है जिसकी पड़ोसियों के साथ चुनौतियां नहीं हैं। वहीं, पाकिस्तान के साथ बातचीत और उसके साथ रिश्ते पर विदेश मंत्री ने कहा कि पड़ोसी देश के साथ बातचीत का दौर खत्म हो चुका है, उसके साथ कैसे रिश्तों की कल्पना करें। बता दें, इस्लामाबाद में अक्तूबर में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के लिए पाकिस्तान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। एक स्थानीय समाचार पत्र के अनुसार, विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि 15-16 अक्टूबर को होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए देशों के प्रमुखों को निमंत्रण भेजा गया है। समें एक निमंत्रण भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी भेजा गया है।अनुच्छेद 370 समाप्त हो चुका है- विदेश मंत्री- उन्होंने पाकिस्तान के साथ रिश्तों पर आगे कहा कि हर एक एक्शन का रिएक्शन होता है। जहां तक जम्मू एवं कश्मीर की बात है तो अनुच्छेद 370 समाप्त हो चुका है। ऐसे में पाकिस्तान के साथ हम किस तरह के रिश्ते के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकवाद और बातचीत को एक साथ नहीं देख सकता है और पाकिस्तान को अपनी नीति पर पुनर्विचार करना होगा यदि वह भारत के साथ बातचीत करना चाहता है। हमने कई बार बातचीत करने की कोशिश की- विदेश मंत्री का यह बयान भारत-पाकिस्तान संबंधों में आए तनाव को दर्शाता है। उन्होंने कहा, हमने अतीत में पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए कई प्रयास किए, लेकिन आतंकवाद के मुद्दे पर उनकी दोहरी नीति के कारण यह संभव नहीं हो सका। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान समझे कि बातचीत के लिए उसे आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करना होगा। बांग्लादेश सरकार से करेंगे बात- वहीं, बांग्लादेश पर जयशंकर ने कहा, यह स्वाभाविक है कि हम मौजूदा सरकार से बात करेंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि राजनीतिक बदलाव हुए हैं और वे खतरनाक हो सकते हैं। जाहिर है, यहां हमें एक दूसरे के हितों की पारस्परिकता पर ध्यान देना होगा।- मालदीव, बांग्लादेश के बारे में उन्होंने कहा, मालदीव के प्रति हमारे दृष्टिकोण में उतार-चढ़ाव आए हैं। यहां एक निश्चित स्थिरता की कमी है। यह एक ऐसा रिश्ता है, जिसमें हमने बहुत गहराई से निवेश किया है और मालदीव में यह मान्यता है कि यह संबंध एक स्थिर शक्ति है। सामाजिक स्तर पर लोगों के बीच संबंध मजबूत- अफगानिस्तान पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, सामाजिक स्तर पर लोगों के बीच संबंध मजबूत हैं। आज अपनी अफगान नीति की समीक्षा करने के बाद, हम अपने हितों के बारे में बहुत स्पष्ट हैं।

संपादकीय Editorial

Meaning of 'Enough is enough'

President Draupadi Murmu has given a poignant and unprecedented response to the crimes against women and daughters. 'Unprecedented' because the country's Excellency does not often make any public statement. The President works only on the advice of the Union Cabinet. Perhaps before making this three-page response public, the President's Office sent it to the Prime Minister's Office and then after the Cabinet's recommendation, this letter came before the country! The President has also expressed his disappointment, frustration and fear while describing his state of mind. It can be imagined how much the barbaric, brutal crimes against women must have shaken the President that he had to say- 'Enough is enough.' As a nation, it is a shameful and disgraceful situation that the President had to write- 'Even kindergarten girls are being brutalized. Today the country is angry and so am I…' Now as a society, let us ask ourselves some tough questions. President Murmu has questioned that after the Nirbhaya incident in 2012, the whole country was agitated, but then people forgot the sexual crimes. Was this the lesson we learned? Are we victims of 'collective amnesia'? This is sad and disgusting too.' In fact, the President had talked to the editors of the news agency 'PTI'. Later he wrote a three-page letter to them. The President has mentioned in it that some children had come to 'Rashtrapati Bhavan' to celebrate 'Raksha Bandhan'. They asked me questions in view of incidents like the 'Nirbhaya incident'. I told them about the training of 'martial arts'. Although I knew that this is not a guarantee of safety, but now only the society can answer the questions of those children. Such heinous crimes against daughters and women are not acceptable in any civilized society, cannot be tolerated. We need honest, unbiased self-introspection. Now we should not only face history but also look inside our soul and investigate the reasons behind these crimes. On one hand there were protests in Kolkata, on the other hand criminals were roaming around. Underestimating women is also a disgusting mentality. The Kolkata incident must have shaken the psyche of President Murmu, but she has expressed her concern and worry about the increasing rapes and murders across the country. Bengal Chief Minister Mamata Banerjee and other political parties of the opposition should not be irritated by this letter or consider it a 'political letter'. We are now a mature republic, so such a public statement of the President should be considered. Since the President of India has written a letter expressing disappointment and pain over the situation in the country, it is obvious that the rest of the world will also read this letter and will think for a moment whether India is a country of rapists? India will be insulted, its image will be tarnished, because the President himself has expressed anger. The situation has reached such a point that the President has had to say – 'Enough is enough.' Different interpretations can be made of this statement of the President. This can be considered as the background of imposing President's rule in Bengal under Article 356, but no President has even given a hint of imposing Article 356. Writing such a letter is a big deal. If any action is to be taken in Bengal, then Manipur will also have to be thought about before that. UP, Bihar, Rajasthan, Maharashtra cannot be left out, although such anarchy did not spread in these states and neither did the court have to make comments like constitutional failure. The situation in Manipur has really been explosive and naked. There, women have been paraded naked, situations of rape come later. There, women themselves were against women in exploitation and atrocities. The President should have said something about that too.

Issue: Why are farms visible less now... This crisis is a big threat for the future, so in-depth discussion is necessary

Governments are indifferent towards farmers. Encroachment on agricultural land is continuing. This will lead to food crisis in future. Farms are now visible less on both sides of any road or highway. The continuous decrease in the sights of lush crops amidst the rapid unplanned construction of new buildings, colonies, schools-colleges, establishments is a matter of concern. The area of ??land for agriculture is decreasing every day. In such a situation, it is a matter of consideration that the crisis of availability of food grains for the increasing population should not become severe in future. Our agriculture-based country is gradually becoming business and profit-oriented. Earlier, farming was not considered a profitable business. It was a means of livelihood and life for the people living in villages, which also fed the cities and metropolises. Gradually, agriculture turned into a loss-making business instead of a profitable one. Government policies are more responsible for this, due to which the prices of crop seeds, chemical fertilizers and agricultural equipment increased tremendously, while it became difficult for the farmer to even get the cost price of the produce. Not getting even the minimum price of the crop fixed by the government is no less than a lethal blow. Due to this, it became increasingly difficult for the farmer to run his family, make arrangements for the education of his children and their marriage, to get minor medical needs. Due to minimum essential facilities along with his the concept of 'Uttam Kheti' migration from villages for employment, division of agriculture, small and became meaningless with time. Due to to sell their land. This created a the more or less medium farmers were forced situation, the rulers never livelihood problem for them. In such a realized their compulsion to become laborers. Governments kept turning their back on the fact that how to stop the farmers who are rapidly becoming landless in the villages and give them work? There was some benefit of providing employment under MNREGA, but such a scheme also has a limit. There was a time when villages used to be self-sufficient units. Everything needed was produced there. Villages were not dependent on towns or cities then. The working class of the village used to get work there. Till the time machines were not used so much in agriculture, the harmonious environment of human and animal companionship provided a unique beauty and uniqueness to rural life, but the reach of roads and machines took away the breath of movement from the villages. Our belief is not an anti-progressive view, but who will come forward to think about the crisis that small and medium landholding farmers are facing today in maintaining their lives? Political parties are indifferent towards this. They have kept the farming class entangled in the buzz of tempting announcements for votes. Farmers no longer have any front of their own. Various political parties have trapped them in the slots of selfishness and caste. These days no one is concerned about saving and preserving the decreasing area of ??agricultural land. The so-called messiahs of farmers also lack any vision in this matter. There was a time when villagers used to consider their fields as their mother. They could not even think of selling it, whereas the new generation of farmers no longer has that attachment to their land. They do not hesitate at all in selling it in exchange for money. When a bypass is built, the government forcibly seizes the agricultural land of the farmers and the land owners do not even get proper compensation for it. Due to collusion, the businessmen who build new colonies already know where the land is to be marked for the construction of a new road. In such a situation, big colonizers conspiratorially make deals with the farmers by luring them with increasing land prices even before the survey is done. The construction of modern dhabas on the sides of roads and highways seems to me to be mocking agricultural land. The expressway lands belong to the farmers, but convoys of big and expensive cars ply on them, facilities have been provided there only for them, while farmers are 'barred from entering' those highways. If the process of encroachment and looting of agricultural land continues at this pace, then this crisis is a big threat for the future, on which a deep discussion is needed in our agenda today. But how can we be sure that any initiative will be taken in this direction.

Health: Children and we take insulin secretly... Lack of money and awareness is fatal, one in six people are not even aware of the disease

The medical world is waiting for the day when children and teenagers suffering from diabetes will use insulin pumps in public places without any shame. Announcing that yes, we have type one diabetes and we are living a normal life. Take some time out and type two words on Google search - 'type one diabetes' and 'suicide'. The long list of search results that will appear on the screen will surprise you. You will come to know that even a single disease can fill a person with so much depression and fear that he embraces death. But the puzzle is that why is the disease whose sure cure was discovered decades ago, still so scary and fatal? Childhood diabetes, also known as type one diabetes or 'Twenty-oneD', is included in the list of those non-communicable diseases, which have now become more deadly than infectious epidemics. It is painful that children have to bear insulin injections at an age when they should be playing. But what is even more tragic is that they have to inject themselves at home or school, in the bathroom or hiding in a corner. They have this fear that someone might see them. Children may still forget their pain, but parents live with this fear constantly. Generally, the way the staff working in the clinics explain the disease, the family gets more scared. On top of that, there is the cost of insulin and the challenge of keeping it at the right temperature. The result is that organizations working for TB patients see children abandoned at the doorstep of their offices every day. Letters are received from helpless parents. Many people commit suicide along with their sick children, out of which only a few stories reach the media. Medicine to live with TB was made long ago. But medicine to remove the stigma attached to it has not been made yet. To consider this contradiction, a high-level meeting of UNICEF and international organizations working for TB patients was held in Udaipur last fortnight. It was attended by top officials of UNICEF's New York headquarters and UNICEF India, representatives of Breakthrough TB, the world's largest organization working for TB patients, officials of Udaipur royal family's charitable organization - Friends of Mewar and patients' organizations - IMpatient Network and South Indian Idhyangal Trust. Three problems and their solutions were highlighted in this important gathering. The first problem is the huge cost of treatment. On an average, a minimum of Rs 3,500 per month is spent on purchasing insulin, glucometer, injections, refrigerator to keep insulin at a specific temperature, its electricity and other medicines for a normal child suffering from diabetes. This is the reason why patients keep postponing the tests even if they have symptoms like weight loss or fatigue. That is why UNICEF appeals that such a health infrastructure should be developed across the country, which is cheap and accessible and through which the disease can be identified in children as early as possible. Under the concept of Right to Health, governments should bear this expense in the interest of children. Remember, if insulin is given regularly, even Type 1 patients live for seventy years or more. The second problem is discrimination against patients. In schools and colleges and especially in examination halls, students suffering from diabetes are not given breaks for food or insulin. The solution to this is to make such concessions mandatory for children suffering from T1D in educational institutions across the country. The third problem is the mental and social ill effects of the disease - the stigma, which is more lethal than the physical ill effects. The solution to this is to use the right reassuring language while talking to Type 1 patients in hospitals. For this, phrases like 'lifelong curse', 'insulin dependent', 'complex incurable disease' will have to be avoided. Also, emphasis will have to be given to such personalities and examples, who accepted childhood diabetes in front of the society and showed that they can live a normal life with disciplined treatment. This war against the stigma of T1D is being fought at the international level. It is a good thing that two Indians are emerging as role models in this global war. One is Princess Padmaja Kumari Parmar of the Udaipur royal family, who publicly announced that she has been living with type 1 diabetes since childhood. She also founded the international philanthropic organization, Friends of Mewar, for helpless patients. That is why the prestigious organization, Breakthrough 2D, made her its brand ambassador. The second role model is Dr. Sujoy Ghosh, a well-known endocrinologist from Kolkata, who has emerged as a poster boy among 2D organizations. He has been trying for policy change in the interest of children suffering from 2D for a long time. It is because of doctor-officers like him that free clinics for type 1 diabetes patients have recently started in the district hospitals of West Bengal. According to the science magazine Lancet, in 2021, about 8.5 lakh people in India were suffering from type 1 diabetes. If we include the figures of Type 2 diabetes patients, then the number of diabetes patients is 10% of the total population, i.e. around 15 crores. According to UNICEF, Type 1 diabetes is one of those non-communicable diseases which take the lives of 17 million people every year. Heart attack, stroke, cancer, diabetes and asthma are the main ones among them. 66% of the total deaths in India every year are the result of these non-communicable diseases and 22% of these deaths are also due to diabetes. These diseases are taking the lives of patients of old age. Pollution of crowded cities, wrong lifestyle devoid of exercise, stress of job-business and the impact of poverty-malnutrition are the main reasons for these. Now this notion that BP-sugar are diseases of the rich has been proved wrong. In India too, the poor population is bearing the brunt of these diseases. Due to lack of both money and awareness, they do not even get tests done. It is sad that one out of every six people dying of TB in India does not know till the end what disease he has.These diseases are taking the lives of patients of old age. Pollution of crowded cities, wrong lifestyle devoid of exercise, stress of job-business and the impact of poverty-malnutrition are the main reasons for these. Now this notion that BP-sugar are diseases of the rich has been proved wrong. In India too, the poor population is bearing the brunt of these diseases.

उपचुनाव को धार देंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आई तेजी

जिले की कुंदरकी विधानसभा सीट पर होना है उपचुनाव, 2 सितंबर को मुख्यमंत्री के दौरे से पहले सड़कों सहित अन्य कार्यों को क्रियान्वित करने में अधिकारी जुटे

मुरादाबाद- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुरादाबाद के अपने दौरे के दौरान उपचुनाव को भी धार देंगे। जिले की कुंदरकी विधानसभा सीट पर आगामी दिनों में उप चुनाव होने हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री के आने से पहले कुंदरकी विधानसभा के अलावा जिले की अन्य सड़क परियोजनाओं, महानगर के कई कार्यों के विकास में तेजी आ गई है। मुख्यमंत्री 2 सितंबर को रामपुर रोड पर स्थित आर्यभट्ट इंटरनेशनल स्कूल परिसर में व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास वृहद रोजगार मेला व नियुक्ति पत्र वितरण आंबेडकर पुलिस अकादमी में ट्रेनिंग ले रहे मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि रहेंगे। उनके कार्यक्रम अधिकारी तैयारियों में जुटे हैं। वहीं कई सड़क एमडीए की ओर से विकसित आशियाना का लोकार्पण कराना भी प्रस्तावित है। इन विकास कार्यों को गिनाएंगे। साथ ही जियाउर निर्वाचित होने के बाद रिक्त मुरादाबाद जिले उपचुनाव को धार देने की पूरी संभावना है। को एकजुटता के साथ जुटने का आह्वान करेंगे सीट को सपा से छीनकर भाजपा की झोली के कार्यक्रम को देखते हुए आर्यभट्ट इंटरनेशनल अनुज सिंह ने तैयारियों का निरीक्षण कर निर्देश प्रशासन सतर्क-मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी

प्रशासन सतर्क हो गया है। गुरुवार को डीआईजी और एसएसपी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। डीआईजी ने पुलिसकर्मियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। दो सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महानगर के दौरे पर आएंगे। मुख्यमंत्री की सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। गुरुवार को डीआईजी मुनिराज जी, एसएसपी सतपाल अंतिल, एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह, एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार समेत अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निर्धारित कार्यक्रम संपन्न होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. बीआर आंबेडकर पुलिस अकादमी पहुंचेंगे। जहां डिप्टी एसपी की पासिंग आउट परेड में शामिल होंगे। इसके बाद वह लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे।

सीए श्वेताभ हत्याकांड: पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित सरगना विकास को भेजा जेल

एक माह पहले मझोला पुलिस ने चार आरोपियों पर लगाया था गैंगस्टर एक्ट

मुरादाबाद- बहुचर्चित सीए श्वेताभ तिवारी हत्याकांड के सरगना विकास को पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वारदात में शामिल अन्य तीन आरोपी अलग-अलग जेलों में बंद हैं। मामले में मूंढापांडे के पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक समेत चार के खिलाफ 31 जुलाई को गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपियों ने सीए श्वेताभ तिवारी की गोलीमार कर हत्या कर दी थी। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के रामगंगा विहार साईं गार्डन कालोनी निवासी सीए श्वेताभ तिवारी दिल्ली रोड मझोला स्थित बंसल कॉम्पलेक्स में अपना ऑफिस चलाते थे। 15 फरवरी 2023 को रात करीब नौ बजे वह ऑफिस से घर के लिए निकले थे तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर उनकी हत्या कर दी थी। 31 मार्च को मझोला पुलिस ने पाकबड़ा के गांव गिदौड़ा निवासी शूटर केशव सरन शर्मा और कोतवाली के रेती स्ट्रीट निवासी सरगना विकास शर्मा उर्फ गुग्गू को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा किया था। उस समय तत्कालीन एसएसपी हेमराज मीना ने खुलासा करते हुए बताया था कि सीए श्वेताभ तिवारी की संपत्ति पर विकास शर्मा उर्फ गुग्गू और ललित कौशिक की नजर थी। बाद में मूढापांडे के पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। जहां पर केशव सरन ने गोली मारकर हत्या की और फिर सिविल लाइंस के मोहल्ला दर्जियान हरथला सोनकपुर में रहने वाले भोजपुर के गांव हुंमायूपुर निवासी उसके सहयोगी खुशवंत उर्फ भीम उसे बाइक पर बैठाकर वहां से भाग निकला था। इसके बाद मझोला के तत्कालीन थाना प्रभारी केके वर्मा की ओर से आरोपियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई के लिए फाइल डीएम के पास भेजी गई थी। गैंगचार्ट अनुमोदित होने के बाद थाना प्रभारी ने 31 जुलाई 2024 को सरगना विकास शर्मा उर्फ गुग्गू, ललित कौशिक, शूटर केशव सरन शर्मा और सहयोगी खुशवंत उर्फ भीम के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई शुरू की थी। जिसकी विवेचना सिविल लाइंस थाना प्रभारी मनीष सक्सेना कर रहे हैं। विकास शर्मा एक, केशव सरन शर्मा पर 8, ललित कौशिक पर 14 और खुशवंत उर्फ भीम पर 7 मुकदमे अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। सिविल लाइंस थाना प्रभारी मनीष सक्सेना ने बताया कि मामले में सरगना विकास उर्फ गुग्गू वांछित चल रहा था। गुरुवार को उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं तीन अन्य आरोपी पहले से ही अलग-अलग जेलों में बंद हैं। मझोला थाने में 31 जुलाई को गैंगस्टर का एक केस दर्ज किया गया था। जिसकी विवेचना सिविल लाइंस थाना प्रभारी कर रहे हैं। इस मुकदमे में सरगना विकास शर्मा उर्फ गुग्गू वांछित था। गुरुवार को पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है..., सतपाल अंतिल, एसएसपी।

ठाकुरद्वारा दुष्कर्म मामला : पुलिस दो दिन के अंदर दाखिल करेगी चार्जशीट, सभी साक्ष्यों को फॉरेंसिक लैब में भेजा गया

मुरादाबाद-ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र में नर्स से दुष्कर्म के मामले में पुलिस विवेचना के दौरान लगभग सभी साक्ष्यों को जुटा चुकी है। इनमें से ज्यादातर साक्ष्यों को फॉरेंसिक लैब भेजा गया था। अब फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद पुलिस मामले में दो दिन के अंदर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करेगी। मामले में तीनों आरोपी इस वक्त न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद हैं। चार्जशीट दाखिल होने के बाद पुलिस गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई शुरू करेगी। ठाकुरद्वारा स्थित अस्पताल में नर्स के साथ 17 अगस्त की रात आरोपी अस्पताल संचालक शाहनवाज ने दुष्कर्म किया था। पीड़िता के पिता ने इस मामले में आरोपी शाहनवाज, उसकी सहयोगी नर्स मेहनाज, वार्ड ब्वॉय जुनैद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने शहनवाज, सहयोगी नर्स मेहनाज और वार्ड ब्वॉय जुनैद को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था। विवेचना में पुलिस लगभग सभी साक्ष्य जुटा चुकी है। ज्यादातर साक्ष्यों को फॉरेंसिक लैब भेजा गया था। अब फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद पुलिस शनिवार तक कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करेगी। एसपी देहात संदीप कुमार मीणा ने बताया कि तीनों आरोपी जेल में बंद हैं। इस मामले में विवेचना पूरी हो चुकी है। उन्होंने तीनों आरोपियों के खिलाफ दो दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने बताया कि इसके बाद गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई शुरू की जाएगी। ठाकुरद्वारा पुलिस ने गैंगचार्ट तैयार कर अनुमोदन के लिए जिलाधिकारी के पास भेजा है। मिलने के बाद गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

सिपाही भर्ती परीक्षा: मुरादाबाद में चौथे चरण की पहली पाली की परीक्षा संपन्न, एसटीएफ और एसओजी रहे अलर्ट पर

मुरादाबाद में सिपाही भर्ती परीक्षा के चौथे चरण की पहली पाली की परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच हुई। सुबह आठ बजे से ही अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र पर पहुंचने शुरू हो गए थे। जांच के बाद उन्हें अंदर जाने दिया गया। सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा के चौथे दिन कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई। केंद्रों पर

अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह आठ बजे से शुरू हो गया था। जांच के बाद उन्हें अंदर जाने दिया गया। एसटीएफ और पुलिस सॉल्वरों पर नजर बनाए हुए है। प्रथम पाली की परीक्षा 10 बजे से शुरू होकर 12 बजे संपन्न हुई।मुरादाबाद में सिपाही भर्ती परीक्षा के दूसरे चरण के लिए भी शहर में 26 केंद्र बनाए गए। शुक्रवार को दो पाली में होने वाली इस परीक्षा की प्रत्येक पाली में 11,712 परीक्षार्थी बैठेंगे। सॉल्वर गैंग और गड़बड़ी करने वालों पर सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जा रही है।इसके अलावा शहर में एसटीएफ और एसओजी को भी अलर्ट किया गया है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि परीक्षा 30 और 31 अगस्त को परीक्षा का आयोजन होगा। 26 परीक्षा केंद्रों के लिए चार सीओ, 27 इंस्पेक्टर समेत 534 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 से 12 और दूसरी पाली की परीक्षा तीन बजे से शाम पांच बजे तक चलेगी। एसओजी और सर्विलांस सेल की टीम भी सक्रिय रहेगी। पहले चरण में 23, 24 और 25 अगस्त को सिपाही भर्ती परीक्षा सकुशल संपन्न हो चुकी है। अभ्यर्थियों के ठहरने की व्यवस्था की- सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए आने वाले अभ्यर्थियों के ठहरने के लिए राष्ट्रीय गुर्जर विकास मंच उत्तर प्रदेश की ओर से कसाना कॉम्प्लेक्स निकट दीवान शुगर मिल में व्यवस्था की गई है। राष्ट्रीय गुर्जर विकास मंच उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट प्रमोद कसाना ने बताया कि यहां अभ्यर्थियों को भोजन व नाश्ता भी निशुल्क दिया जाएगा।

सप्ताह में छह दिन चलेगी वंदे भारत, यह रहेगा ट्रेनों का संचालन समय

मुरादाबाद-शनिवार को मेरठ से लखनऊ के लिए वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत होगी। इसकी शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन संचलित की जाएगी। सिर्फ मंगलवार को वंदेभारत का संचालन नहीं किया जाएगा। मुरादाबाद मंडल में यह तीसरी वंदे भारत ट्रेन होगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन हफ्ते में छह दिन चलेगी। ट्रेन संचालन

एक सितंबर से लखनऊ से शुरू हो जाएगा। लखनऊ से दोपहर में 2.45 बजे चलेगी। जबकि मेरठ से दो सितंबर यानी सोमवार को सुबह 6.35 बजे चलेगी। वंदे भारत ट्रेन के किराए का निर्धारण भी जल्द जारी हो जाएगा। रविवार से चलने वाली वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत शनिवार को होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। इस मौके पर मेरठ से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। आठ कोच की रैक वाली वंदे भारत के स्वागत के लिए मुरादाबाद और बरेली में विशेष आयोजन की तैयारी है। ट्रेन मेरठ से दोपहर 12.35 बजे चलकर मुरादाबाद में 14.30 बजे पहुंचेगी। यहां से चलकर बरेली में 15.51 बजे और वहां से लखनऊ 19.40 बजे पहुचेंगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि मुरादाबाद स्टेशन पर ट्रेन के स्वागत की तैयारी की जा रही है। इस आयोजन में वीआईपी लोगों को निमंत्रण भेजा जा रहा है। मुरादाबाद सांसद रुचि वीरा के अलावा महापौर विनोद अग्रवाल, शहर विधायक रितेश गुप्ता, एमएलसी समेत विभिन्न जनप्रतिनिधि और गणमान्य मौजूद रहेंगे। यह रहेगा ट्रेन का संचालन समय- मेरठ- प्रात- 6.35 बजे मुरादबाद- 8.35-8.40 बजे बरेली - 9.56-9.58 बजे लखनऊ - 13.45 बजे लखनऊ से मेरठ लखनऊ- दोपहर 14.45 बजे बरेली- 18.02-18.04 बजे मुरादाबाद- 19.32-19.37 बजे मेरठ- 22.00 बजे

संक्षिप्त समाचार

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर मामा ने भांजी संग किया दुष्कर्म

मुरादाबाद- मामा ने नाबालिग भांजी का नहाते समय वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। डर की वजह से वह कई साल तक प्रताड़ना सहती रही। शादी होने के बाद मामा ने ससुरालियों को भड़का दिया। अब पीड़िता की शादी टूटने की कगार पर आ गई है। परेशान होकर पीड़िता ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने भगतपुर पुलिस को जांच के आदेश दिए हैं। भगतपुर थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवती ने गुरुवार को एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि सिविल लाइंस के हरथला निवासी युवक उसका रिश्ते का मामा है। रिश्तेदार होने के कारण उसका पीड़िता के घर पर आना-जाना था। 2018 में जब वह 14 साल की थी तब एक दिन मामा ने नहाते समय चोरी छिपे अश्लील वीडियो बना ली। आरोप है कि बाद में उस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म किया। इसके बाद ब्लैकमेल करके कई बार शारीरिक संबंध बनाए। डर की वजह से वह कई साल तक चुप रही। किसी को कुछ नहीं बताया। परिजनों को शक हुआ तो रिश्ते के मामा के घर आने जाने पर पाबंदी लगा दी। इसके बाद वह स्कूल आते-जाते पीछा करने लगा। हरकतों से तंग आकर पीड़िता ने स्कूल जाना बंद कर दिया। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता पर अकेले मिलने का दबाव बनाने लगा। इसी दौरान बीते 12 मार्च को परिजनों ने पीड़िता की शादी कर दी। फिर भी मामा ने पीछा नहीं छोड़ा। आरोपी ने पीड़िता के पति को उसके खिलाफ भड़का दिया। ससुरालियों की नजरों में उसको बदनाम कर दिया। आरोपी की हरकतों से पीड़िता की शादी टूटने की कगार पर है। अब पति पीड़िता को साथ रखने को तैयार नहीं है। वह फिलहाल मायके में रह रही है। आरोप है कि रिश्ते का मामा उसका पीछा नहीं छोड़ रहा है। वीडियो वायरल कर उसको बदनाम करने की धमकी दे रहा है। मामले में पीड़िता ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने मामले में जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

हिंदू लड़के से बात करने पर जताई आपत्ति, बुर्का खींचकर की छींटाकशी

मुरादाबाद- कटघर थाने के निकट हिंदू लड़के से बात करने पर युवती के साथ छेड़खानी कर दी। स्कूटी सवार युवक बुर्का खींचकर युवती से छींटाकशी करने लगे। विरोध करने पर मुफ्ती साहब को बुलाने की धमकी देने लगा। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ कटघर थाने में तहरीर दी है। मुगलपुरा थाना क्षेत्र की निवासी युवती ने बताया कि वह कटघर थाना क्षेत्र स्थित बस अड्डे के निकट निजी अस्पताल में नौकरी करती है। गुरुवार शाम 7-30 बजे ड्यूटी से वापस घर जा रही थी। इसी दौरान कटघर थाने के निकट गुलाबबाड़ी फाटक के पास रास्ते में पीड़िता का दोस्त सिद्धार्थ मिल गया। वह रास्ते में खड़े होकर सिद्धार्थ से बातचीत करने लगी। सिद्धार्थ अपनी मां को अस्पताल में दिखाने के लिए कहने लगा। सिद्धार्थ की मां बीमार रहती हैं। इसके बाद पीड़िता जैसे ही वहां से चली। इसी दौरान स्कूटी सवार एक युवक आ पहुंचा। आरोप है कि स्कूटी सवार हिंदू लड़के से बात करने पर आपत्ति जताने लगा। कहासुनी पर अश्लील बातें करने लगा। फिर बुर्का खींचकर छींटाकशी करने लगा। विरोध करने मुफ्ती साहब को बुलाने की धमकी दी। लोगों की भीड़ जुटता देख आरोपी वहां से भाग निकला। सूचना पर पहुंची महिला पुलिस पीड़िता को थाने ले गई। पीड़िता ने मामले में आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है। सीओ आशीष प्रताप सिंह ने बताया है कि मामले की जांच की जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

KYUN NA LIKHUN SACH

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की

सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

ममता सरकार का पुतला दहन किया, राष्ट्रपति शासन लगाई जाने की मांग उठाई

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र के किसानों ने जनता ने पूर्व पदाधिकारी ने बंगाल में की गई दरिंदगी के विरोध में प्रदर्शन किया ममता बनर्जी एवं टीएमसी का पुतला फूंका टीएमसी मुर्दाबाद ममता बनर्जी मुर्दाबाद ममता तेरी तानाशाही नहीं चलेगी नहीं चलेगी के नारों से गूंज उठा पूरा धनीपुर क्षेत्र बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग उठी भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि बंगाल में कोलकाता में महिला डॉक्टर से की गई दरिंदगी उन अपराधियों को फांसी की सजा होनी चाहिए

ममता बनर्जी की सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन होना चाहिए बंगाल में मात्र हिंसा रोकने के लिए पर अत्याचार शोषण को रोकने के लिए मात्र एक राष्ट्रपति शासन ही विकल्प है बंगाल में महिलाओं पर अत्याचार हत्याएं लूटपाट किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की की जाएगी पुतला दहन प्रदर्शन करते समय सैकड़ो किसान एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे

घाघरा नदी का कहर: खतरे में माथुरपुर गांव का वजूद, कटान रोकने के प्रयास तेज, ग्रामीणों का पलायन शुरू

लखीमपुर खीरी के धौरहरा क्षेत्र में घाघरा नदी के कटान से माथुरपुर गांव पर संकट मंडराने लगा है। पूरा गांव कटान की जद में है। अफसरों की निगरानी में गांव को बचाने के लिए कटान रोधी कार्य तेज कराया जा रहा है। लखीमपुर खीरी के धौरहरा क्षेत्र में माथुरपुर-सुजानपुर, कुर्तैहिया गांवों को बचाने की परियोजना कटने से माथुरपुर गांव का वजूद खतरे में पड़ गया है। गांव के 400 परिवार मुश्किल में हैं। ग्रामीणों ने पलायन शुरू कर दिया है। हालांकि बाढ़ खंड तेजी से कटान रोधी कार्य करने में जुटा है। बचाव कार्य की निगरानी एसडीएम खुद कर रहे हैं।धौरहरा तहसील के ब्लॉक रमियाबेहड़ के गांव माथुरपुर, सुजानपुर, कुर्तैहिया गांवों को बाढ़ व कटान से बचाने के लिए

पांच करोड़ रुपये से बाढ़ खंड ने बांध बनाया था। यह परियोजना पहली बारिश में ही घाघरा नदी के बहाव में बह गई। कटान रोधी कार्य में जुटे 200 मजदूर - बांध कटने से माथुरपुर गांव के चार सौ परिवार मुश्किलों में घिर गए हैं। ग्रामीणों अपने घरों को तोड़कर जरूरी सामान लेकर पलायन कर रहे हैं। उधर, गांव को बचाने के लिए बाढ़ खंड 200 मजदूरों और छह जेसीबी लगाकर कटान रोधी कार्य तेज किया है। निगरानी में एसडीएम राजेश कुमार, तहसीलदार आदित्य विशाल, नायब तहसीलदार व राजस्व टीम लगी है। एसडीएम राजेश कुमार ने बताया कि वह खुद दो दिन से गांव में रात रूककर कटान रोधी कार्य देख रहे हैं। बाढ़ खंड अधिकारी भी रात भर बचाव कार्य करा रहे हैं। एक्सईएन बाढ़ खंड शारदा नगर अजय कुमार ने बताया कि गांव को बचाने के लिए वृहद स्तर पर कटान रोधी कार्य हो रहा है। बहाव तेज होने से परेशानी हो रही है। शारदा नदी में समाई फसलों सहित जमीन-टहारा ग्राम पंचायत और आंशिक सोहरिया गांव के सिरसी नकहिया, लौखनिया जटपुरवा और भूलनपुर के करीब 70 किसानों की 120 एकड़ जमीन फसलों समेत नदी में समा चुकी है। इसकी सूचना के बाद भी इस गांव में कोई बचाव कार्य शुरू नहीं हुआ। ग्रामीण विनोद कुमार, संजय कुमार, बनवारी लाल, बिश्वभर, गार्गी प्रसाद आदि ने बताया कि सूचना के बाद भी अब तक कोई अधिकारी गांव नहीं पहुंचा।

मथुरा में ईडी अधिकारी बनकर सराफ के घर पहुंचे लुटेरे, कारोबारी की चतुराई से बची बड़ी वारदात

मथुरा के गोविंद नगर थाना क्षेत्र की पॉश कॉलोनी राधा ऑर्चिड में शुक्रवार दोपहर को कुछ लोग

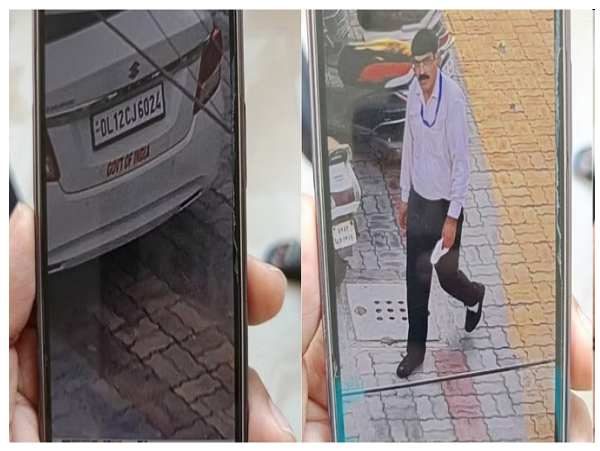

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी बनकर एक सराफ के घर पहुंचे। हालांकि वह व्यापारी की सजगता के कारण सफल नहीं हो पाए और कॉलोनी में शोर शराबा भीड़ एकत्रित होने के कारण वहां से गाड़ी में बैठकर भाग गए। बताया जा रहा है कि वह लूट की वारदात को अंजाम देने को पहुंचे थे। सूचना पर मौके पर एसएसपी सहित आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने जांच पड़ताल के बाद फर्जी ईडी अधिकारियों व उनकी गाड़ी जो कि सीसीटीवी में कैद हुई। उसकी तलाश को टीम लगा दी है। मथुरा के गोविंद नगर थाना क्षेत्र की राधा ऑर्डिच कॉलोनी में लुटेरे ईडी अधिकारी बनकर पहुंचे। सराफ को धमकाना शुरू कर दिया। हालांकि सराफ की चतुराई के आगे लुटेरों के पसीने छूट गए और वहां से भाग निकले।राधा ऑर्चिड कालोनी में रहने वाले सराफ अश्वनी अग्रवाल ने बताया कि एक कार में सवार होकर दो व्यक्ति व उनके साथ एक महिला सिपाही और एक पुलिस की वर्दी पहना दारोगा शुक्रवार प्रात 7 बजे करीब आवास पर आए। उन्होंने सर्च वारंट दिखाकर घर की तलाशी लेने की बात कही। इसी दौरान वर्दीधारी दरोगा से पूछा कि वह किस थाने से आए हैं, उन्होंने बताया कि वह गोविंदपुरम थाने से आए हैं। इस बात पर शक हुआ, क्योंकि मथुरा में गोविंद नगर थाना है।उन्होंने तुरंत घर से बाहर भाग कर मथुरा-वृंदावन नगर निगम के मेयर विनोद अग्रवाल, जो कि पड़ोस में ही रहते हैं। उनके आवास पर जानकारी दी कि कुछ लोग उनके घर में घुस आए हैं। उनका शोर शराबा सुनकर आस-पड़ोस के लोग भी एकत्रित हो गए। उन्होंने जब उन ईडी के लोगों से पूछताछ की तो वह सकपका गए और गाड़ी में बैठकर भाग गए। इसकी जानकारी तत्काल एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय और और थाना गोविंद नगर पुलिस को दी गई। उनके आने से पहले वह लोग मौके भाग गए। एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि गोविंद नगर थाने में ईडी की ओर से किसी भी रेड की सूचना नहीं दी गई थी। ना ही थाने से कोई दरोगा राधा ऑर्चिड कॉलोनी में गया था। कॉलोनी सहित मसानी रोड पर लगे सभी सीसीटीवी कैमरा फुटेज की जांच की गई। फर्जी ईडी अधिकारी, जिस कार में आए थे। उसका नंबर कैद हुआ है। संभवत वह फर्जी लुटेरे थे, जो कि ईडी के अधिकारी बनकर आए थे। उनकी तलाश की जा रही है।

कलावती पटेल के निजी खेत मे, खेत तालाब योजना मे हुआ घोटाला

क्यूँ न लिखूँ सच -अखिलेश तिवारी

घूमन बिछीहर, निवासी कलावती पटेल के निजी खेत मे, खेत तालाब योजना,के, अंतर्गत,रोजगार प्रभारी ने जम की धांधले बाजी 2021 में रोजगार प्रभारी दयावती वा , उनके पति लालता चर्मकार द्वारा जेसीबी मशीन लगाकर थोड़ा बहुत तालाब का निर्माण कराया गया और रोजगार प्रभारी द्वारा ,

1 लाख 78 हजार अन्य मजदूरों के खाते में डालकर राशि निकलवा लिया गया था और मेरे खेत के बगल पर खेत तालाब योजना के अंतर्गत, कार्य, कराया गया था, मेरे पूछने पर,की मेरे खेत में, क्यों नहीं कराया जा रहा है कार्य रोजगार प्रभारी द्वारा कहा गया, यह शासकीय कार्य चल रहा है इसके बाद आपके यहां कार्य कराया जाएगा , इसके बाद आज दिनांक तक किसी प्रकार का कोई कार्य नहीं कराया गया इस संदर्भ में हमारे द्वारा ब्लॉक सीईओ,, जिला पंचायत सीईओ जिला कलेक्टर के साथ-साथ अन्य विभाग की अधिकारियों को भी इस संदर्भ में सूचित किया गया था लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं सुनिश्चित हो चुकी है पीड़ित ने इस संबंध में फिर से जिला कलेक्टर का ध्यान आकर्षित करवा कर न्याय की गुहार लगाई है

शरद पवार ने Z+ सुरक्षा लेने से किया इनकार, कहा- मुझे नहीं पता सुरक्षा क्यों बढ़ाई जा रही

केंद्र ने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे के आकलन की समीक्षा के बाद उन्हें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की वीआईपी सुरक्षा शाखा की जेड प्लस सुरक्षा दी थी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एसपी के प्रमुख शरद पवार ने आज गृह मंत्रालय द्वारा दी गई जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा लेने से इनकार कर दिया। गृह मंत्रालय ने कुछ दिन पहले उन्हें जेड प्लस सुरक्षा देने का फैसला लिया था, जिसमें सीआरपीएफ के 58 कमांडोज उनकी सुरक्षा में तैनात किए जाने थे। जानकारी सामने आ रही है कि उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सुझाए गए कुछ उपायों को मानने से इनकार कर दिया है।मुझे नहीं पता मेरी सुरक्षा क्यों बढ़ाई जा रही= पवार केंद्र ने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे के आकलन की समीक्षा के बाद उन्हें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की वीआईपी सुरक्षा शाखा की जेड प्लस सुरक्षा दी थी। हालांकि, पवार का कहना है कि उन्हें यह नहीं पता कि उनकी सुरक्षा क्यों बढ़ाई जा रही है।इस प्रस्ताव को ठुकराया- 83 वर्षीय महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में अपने घर के अंदर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात करने, शहर के भीतर यात्रा वाहन के अंदर दो सुरक्षाकर्मियों द्वारा उन्हें सुरक्षा देने के प्रस्ताव तहत दिल्ली में अपने घर की चारदीवारी की ऊंचाई बढ़ाने के यह बात शुक्रवार को यहां एक बैठक में सुरक्षा एजेंसियों अलावा, दिल्ली अग्निशमन सेवा, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, ने भी बैठक में हिस्सा लिया। गृह मंत्रालय ने कुछ दिन पहले उन्हें कमांडोज उनकी सुरक्षा में तैनात किए जाने थे। सुरक्षा पर लेकर अपनी उदासीनता जाहिर कर चुके हैं। अभी हाल ही में इस पर तंज कसा था। जेड प्लस सुरक्षा मिलने को लेकर उन्होंने कि उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा उनके बारे में प्रामाणिक जानकारी

चुनाव नजदीक हैं। जेड-प्लस सुरक्षा मिलने पर शरद पवार ने संदेह जताते हु कहा था कि उन्हें दी गई जेड-प्लस सुरक्षा उनके बारे में जानकारी निकालने का प्रयास हो सकता है, क्योंकि महाराष्ट्र में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाला है। केंद्र सरकार ने बुधवार को शरद पवार को जेड-प्लस सुरक्षा प्रदान करने की घोषणा की थी। शरद पवार को जेड-प्लस सुरक्षा- जेड-प्लस सुरक्षा प्रदान करने को लेकर किए गए सवाल पर एनसीपी-एसपी प्रमुख ने कहा कि उन्हें इस कदम के पीछे का कारण नहीं मालूम। शरद पवार ने आगे कहा, %गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने मुझे बताया कि केंद्र सरकार ने तीन लोगों को जेड-प्लस सुरक्षा प्रदान करने का फैसला लिया है और मैं उनमें से एक हूं। मैंने उनसे पूछा कि बाकी के दो कौन थे, तो उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिया।卐 पवार ने आगे कहा, 卐हो सकता है कि राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाला है और वे मेरे बारे में जानकारी हासिल करने के लिए ऐसा कर रहे हैं।%क्या है जेड-प्लस सुरक्षा? केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 55 सशस्त्र कर्मियों की एक टीम को पवार के जेड प्लस सुरक्षा के हिस्से के रूप में रखा गया है। बता दें कि जेड सुरक्षा उन्हीं लोगों को दी जाती है जिन्हें जान का गंभीर खतरा रहता है। अभी भारत में प्रमुख रूप से चार सुरक्षा श्रेणियां हैं। इनमें जेड प्लस (36 सुरक्षाकर्मियों का घेरा), जेड (22 सुरक्षाकर्मियों का घेरा), वाई (11 सुरक्षाकर्मियों का घेरा) और एक्स (2 सुरक्षाकर्मियों का घेरा) शामिल हैं। शरद पवार विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी का हिस्सा हैं, इसमें एनसीपी-एसपी के अलावा शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस भी शामिल हैं। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा, शिवसेना और एनसीपी एकसाथ विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। महाराष्ट्र में इस साल अक्तूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने वाला है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

हाथरस के किले कचहरी पर अधिवक्ताओं का हुआ चुनाव

क्यूँ न लिखूँ सच -संतोष कुमार

अलीगढ़ हाथरसचुनाव के दिन अधिवक्ताओ की भारी संख्या मे भीड़ रही! चुनाव प्रत्याशी मनीष कौशल एड. (सचिव पद हेतु), अरविंद कुमार उपाध्याय एड. (सचिव पद हेतु), वीरेंद्र चौधरी एड. (अध्यक्ष पद हेतु), युवराज शर्मा जी एड.(

अध्यक्ष पद हेतु), कृष्ण कुमार शर्मा एड. (वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद हेतु), योगेश कुमार रावत एड. (वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद हेतु), यतेंद्र पाल जी एड. (कोषाध्यक्ष पर हेतु), और अन्य! सभी अधिवक्ताओं ने सही ढंग से अपना-अपना मतदान किया! मतदान के समय बहुत भीड़ -भाड़ रही! सभी अधिवक्ताओं का शाम 5=00 बजे तक का मतदान रहा! और शांतिपूर्वक चुनाव हुआ

रेलवे फाटक में कैंटर ने मारी टक्कर, ओएचई हुई क्षतिग्रस्त, रेल-सड़क मार्ग हुआ प्रभावित

सुबह करीब 7.17 बजे कासगंज की ओर से आ रहे एक कैंटर ने खुले रेल फाटक को टक्कर मारी। इससे फाटक का बूम टूटकर ओएचई लाइन पर गिर गया। इस कारण ओएचई लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई।पूर्वोत्तर रेलवे के मथुरा-कासगंज रेल खंड पर 30 अगस्त की सुबह कस्बा मेंडू के निकट स्थित मुख्य रेलवे क्रॉसिंग के फाटक को कैंटर ने टक्कर मारकर तोड़ दिया। टक्कर

लगने से फाटक ओवरहेड इलेक्ट्रिसिटी (ओएचई) लाइन पर गिर गया, जिससे लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इस कारण मथुरा-कासगंज रेलमार्ग पर करीब दो घंटे तक रेल यातायात प्रभावित। मथुरा-बरेली राजमार्ग पर भी आवागमन बाधित हुआ।30 अगस्त सुबह करीब 7.17 बजे कासगंज की ओर से आ रहे एक कैंटर ने खुले रेल फाटक को टक्कर मारी। इससे फाटक का बूम टूटकर ओएचई लाइन पर गिर गया। इस कारण ओएचई लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। इसकी सूचना तत्काल आरपीएफ को दी गई। मौके पर पहुंची आरपीएफ ने

कैंटर को कब्जे में ले लिया और चालक को हिरासत में ले लिया। रेलवे के सिग्नल व टेलीकॉम विभाग के कर्मियों के साथ ही ओएचई लाइन की मरम्मत के लिए कई टीमें मौके पर पहुंच गईं। करीब दो घंटे में ओएचई लाइन व फाटक को सही किया गया। तब रेल यातायात सुचारू हो सका।मथुरा-कासगंज रेल खंड पर हुई घटना में कोई भी सवारी गाड़ी प्रभावित नहीं हुई। घटना से कुछ देर पहले ही कासगंज की तरफ जाने वाली पैसेंजर ट्रेन को गुजरा गया था। मथुरा-कासगंज के लिए करीब साढ़े नौ बजे ट्रेनों का आवागमन होता है, लेकिन इससे पहले ही ओएचई और रेलवे फाटक को दुरुस्त कर लिया गया, जिससे ट्रेनों के आवागमन पर खास असर नहीं पड़ा। हालांकि इस दौरान पीछे के स्टेशनों पर मालगाड़ियों को रोके रखा गया।रेल फाटक टूटने के बाद क्षतिग्रस्त हुई ओएचई को सही करने के लिए टावर वैगन को बुलाया गया। उसने करीब एक एक घंटे की मशक्कत के बाद ओएचई को दुरुस्त किया। इस दौरान मथुरा-बरेली राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन प्रभावित रहा। कई बड़े वाहन गांव रामपुर से नए बाईपास होकर मथुरा रोड की ओर रवाना हुए।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9277776991

दोनों लड़कियों को प्रताड़ित करने वाले दीपक व पवन को पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। कोतवाली कायमगंज पुलिस ने दलित दोनों लड़कियों को आत्महत्या के लिए प्रताड़ित करने वाले युवक दीपक व पवन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने मीडिया को बताया कि पीड़ित पिता की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। लड़कियों के आत्महत्या के कारण का पता करने के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों गुर्गो को गिरफ्तार कर लिया है। जिनको जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपी युवको की लड़कियों से बातचीत होती थी । वह फोन पर लड़कियों को प्रताड़ित करते थे। पुलिस ने काफी तेजी से करवाई करके दोनों आरोपियों को गिरफ्तार से अब विरोधियों के मुंह बंद हो जाएंगे। भगौतीपुर निवासी रामवीर पुत्र स्व0 सोनपाल 26.08.24 को जन्माष्टमी के दिन गांव में ही दुर्गा बबली पुत्री रामवीर उम्र लगभग 18 वर्ष व शशी प्रोग्राम देखने के लिए समय लगभग 9 बजे रात में प्रोग्राम लगभग 1 बजे रात्रि में समाप्त हुआ प्रार्थीगण की पुत्रियां वापस नहीं आई। दोनों भी पता नहीं चला तथा पड़ोसी व मंदिर पर गए सकी। प्रार्थीगण व गांव के अन्य लोगों ने अपने इधर उधर पता लगाते रहे। लगभग 5.30 बजे उन्होंने बताया कि बाग में कोई महिला पेड़ पर अन्य लोग देखने गए। बाग में प्रार्थीगण की लटकी थी। दुपट्टा उनके गर्दन में बंधे थे। उसी मौके पर थाना पुलिस व अन्य अधिकारी आ

करके घटना का पर्दाफाश कर दिया है। इस कार्रवाई कोतवाली कायमगंज में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में व पप्पू उर्फ महेन्द्र पुत्र मिश्री लाल ने कहा है कि मंदिर पर कार्यक्रम था। जिसमें प्रार्थी की पुत्रियां पुत्री पप्पू उर्फ महेन्द्र जिसकी उम्र लगभग 15 वर्ष में मोहल्ले के अन्य लोगों के साथ गई थी। तथा मंदिर तथा मोहल्ले व प्रार्थीगण के बच्चे वापस आये। परन्तु पुत्रियों को प्रार्थीगणों काफी खोजबीन की। कुछ लोगों से पूछतांछ की। परन्तु कोई जानकारी नहीं हो घर के पास गली में 3 व 4 बजे सुबह तक बैठे रहे। सुबह बाग की तरफ शौच क्रिया करके औरतें आई। लटकी है। तो पता लगते ही प्रार्थीगण व गांव के पुत्रियां बबली व शशी दो दुपट्टों से आम के पेड़ पर समय रामवीर द्वारा 112 नम्बर पर सूचना दी तथा गए थे। जिन्होंने अपने सामने उक्त शवों को गांव के लोगों की मदद से उतरवाया था। फोरेन्सिक टीम शव उतरने के लगभग 10-15 मिनट बाद आई थी। तथा उसी समय पेड़ पर रखा एक मोबाइल मिला था। एक सिम कार्ड शशी के पास बरामद हुई। उसके बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस द्वारा अपने अभिरक्षा में लेकर भेज दिया। प्रार्थीगणों को उक्त पोस्टमार्टम के बाद शव दाह संस्कार के लिए दिए थे। 28 अगस्त को समय 12.15 दिन में गंगा जी अटैना घाट पर कम्पिल में पुलिस के समक्ष किया गया था। प्रार्थी कि पुत्रियों को दीपक पुत्र शिवदयाल निवासी ग्राम भैंसार मजरा धर्मपुर थाना-कम्पिल व पवन पुत्र सैंकूलाल निवासी ग्राम भगौतीपुर थाना द्वारा मेरी पुत्रियों को प्रताड़ित किया है। मेरी पुत्रियों से फोन से बात होती थी। जो सिम मिली है वह दीपक के नाम से है। इसी सिम से दीपक तथा पवन से शशी व बबली की बात होती थी। उक्त दोनों ही प्रार्थी की पुत्रियों को प्रताड़ित करते थे। प्रार्थीगणों ने अपनी पुत्रियों की मृत्यु की गम के कारण उस समय प्रार्थना पत्र नहीं दिया।

उत्तर प्रदेश में नहीं हैं लड़कियां सुरक्षित - लुईस खुर्शीद

क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में नहीं हैं लड़कियां सुरक्षित - लुईस खुर्शीद कायमगंज क्षेत्र के गांव भगौतीपुर में पेड की शाख पर फांसी के फंदे से लटके हुए दो युवतियों के शव मिलने के बाद से ही तरह - तरह के कयास लगाए जा रहे हैं । हालांकि पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों का भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उसी दिन गंगा तट पर दाह संस्कार कर दिया गया था । इसके बाद पीडित दोनों परिवारों से मिलने गांव में सपा, कांग्रेस बसपा के नेता पहुंचे। सभी ने इस मामले को लेकर चितां व्यक्त की और निष्पक्ष जांच कर पीडितों को जल्द न्याय देने के लिए कहा। पीडित परिवार से पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी पूर्व विधायक लुईस खुर्शीद ने भी भेंट कर सांत्वना दी । इसके बाद उन्होंने कहा कि घटना अफसोस जनक तथा बहुत ही पीड़ा दायक है । उन्होंने कहा कि अब तक पुलिस ने जो कार्यवाही की है उसका मैंने संज्ञान लिया । उनका कहना था कि पुलिस और जांच करे तथा जो इस घटना में शामिल हों उन्हें शीघ्र गिरफ्तार करे । उनके अनुसार वह इस कांड से आहत हैं। न्याय दिलाने के लिए हर संभव कोशिश की जायेगी । उन्होंने कहा कि मैं कायमगंज क्षेत्र से विधायक रह चुकी हूँ । मेरी यहां की तथा फर्रुखाबाद की घटनाओं पर विशेष नजर रहती है। लड़कियों के साथ ऐशी घटनाएँ होना नहीं चाहिए । किन्तु प्रदेश की कानून व्यवस्था ठीक नहीं है । इसीलिए उत्तर प्रदेश में कहीं भी कोई लड़की सुरक्षित नहीं है । पूर्व विधायका ने कहा कि मेरी मांग ही नहीं बल्कि जिद है कि भगौतीपुर मामले में पुलिस को निष्पक्ष रूप से और जांच करनी चाहिए । तथा घटना में जो शामिल हैं उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

पोस्टमार्टम में भी की गई है गड़बड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद कायमगंज। समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आज कायमगंज स्थित दोपहर 3 बजे ग्राम भगवतीपुर पहुंचा। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव, पूर्व विधायक प्रताप सिंह यादव, उर्मिला राजपूत, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉक्टर नवल किशोर शाक्य, पूर्व कायमगंज विधानसभा प्रत्याशी सर्वेश अंबेडकर, नगर अध्यक्ष राघव दत्त मिश्रा ,प्रदेश महासचिव अनुसूचित प्रकोष्ठ शशिमा दोहरे ,कायमगंज विधान सभा अध्यक्ष सोमेंद्र यादव, जिला महासचिव इलियास मंसूरी आदि लोग प्रमुख रूप से वहां मौजूद रहे। जिला प्रवक्ता विवेक यादव ने बताया कि वहां मौजूद पीड़ित परिवार से जब प्रतिनिधिमंडल ने बात की, तो पूरे परिवार ने एक साथ सीबीआई जांच की मांग करते हुए कहा कि यह आत्महत्या नहीं है बल्कि हत्या है। परिवार ने कहा पोस्टमार्टम में भी गड़बड़ी की गई है। उधर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह जघन्य अपराध होने के बावजूद प्रदेश सरकार इसे दबाने का प्रयास कर रही है। डॉक्टर नवल किशोर शाक्य ने कहा कि पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिवार के बयानों में फर्क है । इसलिए वह उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हैं। उधर कायमगंज से पूर्व प्रत्याशी सर्वेश अंबेडकर ने कहा कि यहां पर पुलिस प्रशासन सादी वर्दी में घूम कर पीड़ित परिवार को दबाने का प्रयास कर रहा है। लगातार कोशिश की जा रही है कि पीड़ित परिवार अपनी बात मीडिया और विपक्षी पार्टी के नेताओं तक ना कह सके

कोलकाता कांड: ममता ने पीएम मोदी को लिखा एक और पत्र; दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराधों में सजा को लेकर दोहराई यह मांग

इससे पहले ममता बनर्जी ने तृणमूल छात्र परिषद के 27वें स्थापना दिवस को आरजी कर डॉक्टर को समर्पित किया था। उन्होंने कहा था कि आरजी कर महिला डॉक्टर दुष्कर्म-हत्या मामले की जांच कई दिनों से केंद्रीय जांच एजेंसी कर रही है। कहां है न्याय? कहां तक पहुंची जांच? ममता ने कहा कि ऐसे कृत्यों की केवल एक ही सजा है- फांसी पर लटकाना।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दौरान ममता ने दुष्कर्म और कड़े केंद्रीय कानून और सजा में मामलों के निपटारे की में लिखा कि आपको 22 था। उसमें मैंने दुष्कर्म की बनाने और ऐसे अपराध में सजा देने की जरूरत के बारे के संवेदनशील मुद्दे पर नहीं मिला। ममता ने इसे उन्होंने कहा कि आपके महिला एवं बाल विकास जवाब मिला। यह मामले नाकाफी है।ममता ने पत्र में उनकी सरकार ने इस मुद्दे को महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कोर्ट (स्न्ञ्जस्ष्ट) और 62 साथ बच्चों के खिलाफ अदालतों की स्थापना राज्य की ओर से चलाई जा से हस्तक्षेप करने और इन अधिकारियों की नियुक्ति किया है। इससे पहले वाले

एक और पत्र लिखा है। इस हत्या के जघन्य अपराधों पर तथा एक निश्चित समय सीमा मांग की। ममता बनर्जी ने पत्र अगस्त को भी एक पत्र लिखा घटनाओं पर कड़े केंद्रीय कानून शामिल अपराधियों को कड़ी में बताया गया था। इस तरह आपकी तरफ से कोई जवाब लेकर पर निराशा जताई। जवाब की जगह केंद्रीय मंत्रालय से एक सामान्य की गंभीरता को देखते हुए बताया कि पश्चिम बंगाल में हल करने के लिए पहले ही इनमें 88 फास्ट ट्रैक स्पेशल पॉक्सो अदालतों के साथ-अपराध के लिए 10 विशेष शामिल हैं। सभी अदालतें रही हैं। ममता ने पीएम मोदी अदालतों में स्थायी न्यायिक की अनुमति देने का आग्रह पत्र में ममता ने दावा किया था कि पूरे देश में प्रतिदिन 90 दुष्कर्म के मामले होते हैं। पत्र के जवाब में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने लिखा था कि पिछले महीने लागू की गई भारतीय न्याय संहिता में कड़ी सजा का प्रावधान है। इससे महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में त्वरित न्याय का प्रावधान किया गया है।इससे पहले ममता बनर्जी ने तृणमूल छात्र परिषद के 27वें स्थापना दिवस को आरजी कर डॉक्टर को समर्पित किया था। उन्होंने कहा था कि आरजी कर महिला डॉक्टर दुष्कर्म-हत्या मामले की जांच कई दिनों से केंद्रीय जांच एजेंसी कर रही है। कहां है न्याय? कहां तक पहुंची जांच? ममता ने कहा कि ऐसे कृत्यों की केवल एक ही सजा है- फांसी पर लटकाना। अगले हफ्ते हम विधानसभा सत्र बुलाएंगे और दुष्कर्मियों के लिए मृत्युदंड सुनिश्चित करने के लिए 10 दिनों के भीतर एक विधेयक पारित करेंगे। हम इस विधेयक को राज्यपाल के पास भेजेंगे। अगर वह इसे पारित नहीं करते हैं, तो हम राजभवन के बाहर धरना देंगे। यह विधेयक पारित होना ही चाहिए और वह इस बार जवाबदेही से बच नहीं सकते। दरअसल, 9 अगस्त की सुबह आरजी कर मेडिकल कॉलेज में चौथी मंजिल पर बने सेमिनार हॉल में डॉक्टर का अर्धनग्न अवस्था में शव मिला था। शव के पास उसका मोबाइल और लैपटॉप बरामद किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई। हत्याकांड को लेकर पश्चिम बंगाल समेत पूरे देश में डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। मामले में अस्पताल में तैनात एक सिविक वालंटियर संजय रॉय को गिरफ्तार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

बाजार गई किशोरी नहीं लौटी घर, मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज। क्षेत्र के एक गांव से 16 वर्षीया नावालिक किशोरी को दो नामजदों द्वारा बहलाकर ले जाने की रिपोर्ट किशोरी के पिता ने लिखाई है। तहरीर में बताया कि बेटी 26 अगस्त को सुबह 11 बजे हरदुआगंज बाजार गई थी। शाम तक वह घर नहीं पहुंची। काफी तलाश के पश्चात पता चला कि बुलंदशहर के थाना अहमदगढ़ के रहने वाले लोकेश व राहुल उसकी बेटी को बहलाकर ले गये हैं।

शुक्ररुल्लाह पुर हाल्ट रेलवे स्टेशन पर अराजक तत्वों ने तोड़ी बेंच, लाइटें ले गए खोल

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/शमसाबाद।शुक्र रुल्लापुर हाल्ट रेलवे स्टेशन पर अराजक तत्वों ने बेंचें तोड़ दी और लाइटे खोल ले गए। यहां अराजक तत्वों का अड्डा रहता है। इस गांव में स्थित हाल्ट रेलवे स्टेशन के निकट ओवर ब्रिज का निर्माण होने से रेलवे क्रॉसिंग बंद कर दी गई है। इससे नीचे से लोगों का आना-जाना कम हो गया है। ओवर ब्रिज के निकट देसी शराब का ठेका होने के कारण स्टेशन अराजक तत्वों का अड्डा बन गया है। यात्रियों के बैठने वाली कई बेचे तोड़ डाली गई है। स्टेशन पर लगाई गई लाइटे भी खोल ले गए। ग्रामीणों ने बताया कि रात में फर्रुखाबाद से कायमगंज जाने वाली ट्रेन से आने वाले यात्रियों के मोबाइल फोन भी छीने जा चुके हैं। अब यहां अराजक तत्वों की संख्या बढ़ने लगी है। जिससे कोई भी घटना घटित हो सकती है। ठेकेदार मुकेश ने बताया कि लाइटे खोलना एवं बेंच टूटने की शिकायत की जा चुकी है।

भारतीय किसान संघ की नई समिति का गठन

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। आज हनुमान धाम शामली पर भारतीय किसान संघ की नई समिति का गठन किया गया जिसमें बबलू राणा उर्फ

ओंकार सिंह को जिलाध्यक्ष तथा देशराज को महामंत्री बनाया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रभारी चौधरी अनिल तथा निर्वाचनअधिकारी शामिल रहे। निर्वाचकगणों में धर्मपाल ठाकुर, कुलदीप महामंत्री मेरठ, रामपाल सिंह विभाग संगठन मेरठ की मौजूदगी में समिति का गठन हुआ। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या मे लोग मौजूद रहे।

सेठ बद्री प्रसाद मे दो मेधावी छात्राओ का सम्मान, कोंच की ब्लॉक प्रमुख रानी देवी ने किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) स्थानीय महेशपुरा रोड स्थित सेठ बद्रीप्रसाद स्मृति महाविद्यालय के फार्मेसी डिपार्टमेंट में द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया इसमे मुख्य अतिथि कोंच की ब्लॉक प्रमुख रानी देवी वर्मा प्रतिनिधि विनोद कुमार बर्मा और महाविद्यालय के डायरेक्टर आशुतोष हूंका, कोऑर्डिनेटर

कन्हैया नीखर मंचस्थ रहे इस कार्यक्रम मे बी फार्मा अंतिम वर्ष की एकेटीयू द्वारा आयोजित परीक्षा ओं में बुंदेलखंड में सर्वोच्च प्रदर्शन करने पर तैय्यबा सिद्दीकी एवं प्रतीक्षा कुशवाहा को अतिथियों द्वारा मेडल पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ब्लॉक प्रमुख रानी देवी ने कहा छात्राओं ने न केवल महाविद्यालय बल्कि समूचे जनपद का नाम रोशन किया है यह खुशी की बात है इस कार्य क्रम मे फार्मेसी के प्रिंस कुमार, महबूब अली, कुमकुम अग्रवाल, मधु वर्मा, अंजुम, उवैस खान, भीम प्रकाश, मंतशा बानो, सौम्या निगम, यतेंद्र कुमार को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया कालेज के डायरेक्टर हूंका ने कहा उनका प्रयास विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है विद्यार्थियों ने फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार एवं अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित किया इस अवसर पर ब्रजेंद्र सिंह, डॉ सत्य प्रताप, डॉ सरताज खान, मनस्वी पाल, सौम्या सचान, डॉ रामदेव, राधेश्याम सहित कई छात्र छात्राएं उपस्थित रही

किन्नर रखता था तमंचा, चेली सोनी पर केस हुआ दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/कोतवाली मोहम्मदाबाद पुलिस ने किन्नरों का दबाव पड़ने पर किन्नर सुनीता की हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। करीब एक दर्जन किन्नर सायं सुनीता किन्नर की हत्या की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए कोतवाली पहुंचे। किन्नरों ने कोतवाली प्रभारी मनोज भाटी पर तुरंत ही रिपोर्ट दर्ज करने का दबाव बनाया। पुलिस ने थाना जहानगंज के ग्राम पकरिया रुनी चुरसाई निवासी किन्नर लाली की तहरीर पर श्रीमती सोनी पांडे के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली। सुनीता उर्फ शंकर किन्नर की चेली लाली किन्नर ने पुलिस को अवगत कराया कि मेरे गुरु के घर पर सोनी पाण्डेय पत्नी सुशील पाण्डेय निवासी बसेली थाना नवाबगंज, पुत्री सुरेश चंद्र तिवारी निवासी मतौली गढ़िया थाना तिर्वा जनपद कन्नौज रहती थी। कल 28 अगस्त को मुझे सूचना मिली कि मेरे गुरु सुनीता किन्नर की मौत हो गयी। सूचना पाकर मैं ग्राम चूड़ा नगला अपने साथी टीना ठाकुर / सुनीता के साथ पहुंची। जानकारी मिली कि मेरे गुरु के साथ रहने वाली सोनी पांण्डेय के साथ मेरे गुरु का किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। जिस पर मेरे गुरुजी ने बक्से से तमंचा निकाल लिया। तमंचा छीनने को लेकर दोनों पक्षों में छीना झपटी हुई। अचानक से फायर हो गया। जिसकी गोली मेरे गुरु के सीने में लग गई। वह घायल हो गई। गुरु को इलाज हेतु पुलिस द्वारा अस्पताल भेजा गया। जहां उनकी मृत्यु हो गई। मुझे जानकारी हुई है कि मेरे गुरु के साथ रहने वाले सोनी पांण्डेय द्वारा छीना झपटी में सोनी की लापरवाही से गोली चलने से उसकी मृत्यु हो गयी है। मेरे गुरु की मृत्यु से सोनी पांडेय की स्पष्ट लापरवाही पता चली है। जो दोषी है।

बकाया बिल जमा न होने पर काटे जायेंगे कनेक्शन-एसडीओ

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) विद्युत विभाग के अधिक्षण अभियन्ता और अधिशाषी अभियंता के निर्देश पर बकाया बिल जमा कराये जाने को लेकर अब बिजली विभाग काफी सख्त हो गया और हर हाल मे राजस्व बसूली के लिये युद्ध स्तर पर अभियान चलाये है इसी क्रम मे एसडीओ अनिरुद्ध कुमार मौर्य के सुपर वीजन मे कई टीमे नगर क्षेत्र के अलावा नदीगांव टाउन एरिया और कैलिया क्षेत्र मे बकाया विल जमा कराये जाने को लेकर उपभोक्ताओ के घर घर जाकर उनसे घूम रही है और बकाया बिल जमा करने के लिये पसीना वहाँ रही है इस बकाया बिल के साथ विभाग भी पूरी सख्ती पर उतर आया है और उपभोक्ता से बार बार बिल जमा करने के लिये कहा जा रहा है अब अगर उपभोक्ता अपना बकाया बिल जमा नही करते है तो उनके कनकेशन काटने की कार्यवाही होगी इसमे किसी तरह की कोई सिपारिश् नही मानी जा रही है एसडीओ अनिरुद्ध मौर्य ने बताया है की बकाया बिल अगर लोग जमा नही करते तो उनके कनेक्शन काटने की कार्यवाही होगी उन्होंने कहा की उपभोक्ता अपने अपने बिल समय सीमा के अंदर जल्द जमा करे इस अवसर पर जेई अंकित साहनी जेई अमन पांडेय लिपिक अंशुल् बाबू उज्जवल तिवारी सूरज सिंह मीटर रीडर पिंकेश शुक्ला मनीष शुक्ला अनूप सिंह गुर्जर अवनीश शांडिल संदीप प्रदीप रिंकू गब्बर महेंद्र पटेल महेंद्र बड़े सहित लोग मौजूद रहे

स्वामी विवेकानंद वर्षाटाइल स्कूल में जे.ई. टीकाकरण, अभियान के तहत बच्चों को लगाए गए टीके

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) बदल ते मौसम के कारण फैल रही बीमारी की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे जैपेनीज इंसेंफेलाइटिस जे.ई. टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह लगा हुआ है जानकारी के अनुसार बता दें कि जिला स्वास्थ्य समिति जालौन द्वारा पूरे जनपद में जैपेनीज इंसेंफेलाइ टिस जे.ई. टीकाकरण के तहत एक से पंद्रह वर्ष तक के सभी बच्चों के लिए टीकाकरण अभि यान चलाया जा रहा है जिसमें आज नगर के तिलक नगर में संचालित स्वामी विवेकानंद वर्सेटाइल स्कूल में कई बच्चों को टीका लगाए गए। टीकाकरण करवाने वाले बच्चों में सौम्या गोपाल,अंश,व्योम,यश, अनन्या,प्रगति, मीनाक्षी, सोनाली,उर्वशी, आकांक्षा वेद, पूर्वी, रक्षिता, देवांस मयंक, प्रियांशू आदि ने टीका लगवाए इस दौरान स्वास्थ्य विभाग से एएनएम साधना मिश्रा, आशा चंद्रकुमारी आशा रचना देवी, प्रशांत मिश्रा, सुरजीत सिंह कुशवाहा मौजूद रहे विद्यालय परिवार से विद्यालय के प्रधानाचार्य जीतू पाटकार आराधना पटेल, संजय गोस्वामी, पारुल गुप्ता, अलशिफा, वैष्णवी प्रिंसी इकरा मैम, अंजली, समीर सर, अरस्तू सर, सुमित सर एवं पार्वती चाची उपस्थित रही

उर्से रजवी ज़िदाबाद के नारों से गूंजा पूरा माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा । शुक्रवार को रिठौरा, लभेड़ा उर्फ बुलंदनगर से हर साल की तरह इस साल भी 106 वें उर्से रज़वी में शामिल होने के लिए पैदल चादर , 106 टोकरी फूल लेकर लभेड़ा की रज़ा एक्शन कमेटी ने पैदल उर्स रजवी नारों की सदाएं बुलंद करते हुए अजीम- ओ -शान मुजायरा पेश किया। लभेड़ा से बरेली दुरुस्त रखा अपनी कमेटी के 10 लड़कों को ट्रैफिक अनहोनी या अप्रिय घटना न हो और राहगीरों को कोई दिया। आपसी प्रेम को भी जाहिर किया । पैदल चादर का स्वागत किया गया ।जगह- जगह रजवी लंगर से फरहान खान निहाल खान व इमरान यूनिस जीशान उर्फ गुलहसन सलीम इमरान सदाकत खान आदि ने दरगाह सभी लोग अदनान मियां से मिले और मुल्क के हालात अंदर आपसी भाईचारा और अमन चैन कायम रखने की भी दुआ की ।

बरेली शरीफ पहुंचीं ।जिसमे गंगा जमुनी तहजीब का एक शरीफ तक के सफर में ट्रैफिक व्यवस्था को पूरी तरह से व्यवस्था में लगा दिया। जिससे रोड पर किसी भी तरह की दिक्कत न हो रजवी नारों के साथ इश्क मोहब्बत का भी पैगाम के काफिले का बरेली शरीफ तक जगह -जगह फूल वर्षा नवाजा गया ।दरगाह -ए- आला हजरत पहुंचा,इस मौके पर बाबू अयान हसमत अट्टन उर्फ़ कलीमद्दीन फैजुद्दीन तौहीद पर चादर पोसी की और फतेहा खानी की उसके बाद यह बेहतर करने के लिए व कौम के हक में दुआ कराई मुल्क के

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की उपस्थिति मे संपन्न हुई जिला स्तरीय दिव्यांगता समिति बैठक जिलाधिकारी ने दिये आवश्यक दिशा निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में %जिला स्तरीय दिव्यांगता समिति%, यू0डी0आई0डी0 अनुश्रवण समिति% एवं %राज्य स्तरीय पुरस्कार समिति की बैठक कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के हितार्थ विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं से जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया। उन्होंने दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान (दिव्यांग पेंशन) / कुष्ठावस्था पेंशन के बारे में जिलाधिकारी महोदय को बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जनपद के 13824 कृत्रिम अंग / सहायक उपकरण योजनान्तर्गत विभाग माध्यम से 246 दिव्यांगजनों को उनकी दिव्यांगता के सापेक्ष दुकान निर्माण / संचालन ऋण योजनान्तर्गत जनपद में एवं 2500 रु0 अनुदान) के रूप में प्रदान किया जाता है में सहायता प्राप्त होती है। शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार जिसमें पात्रता की स्थिति में वर के दिव्यांग होने पर 15000/ दिव्यांग होने की दशा में 35000/- रु0 की धनराशि है। इसी क्रम में करेक्टिव सर्जरी / कॉक्लियर इम्प्लाण्ट कॉक्लियर इम्प्लाण्ट सर्जरी विभाग द्वारा निःशुल्क करायी यू0डी0आई0डी0 कार्ड योजनान्तर्गत जनपद जालौन में जारी किए जा चुके हैं। राज्य स्तरीय पुरस्कार योजना की समयावधि में गुणवत्तापूर्वक प्रगति किए जाने हेतु जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 एन0डी0 शर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी अमरेन्द्र पौतस्ययान, जिला पूर्ति अधिकारी , जिला सेवायोजन अधिकारी, सचिव रेडक्रास सोसाइटी, हरिशरण गुप्ता दिव्यांग सदस्य एवं अजय सिंह अहिरवार (दिव्यांग) प्रबंधक अखिल भारतीय दिव्यांग परिषद, उरई आदि सदस्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

खाटू श्याम परिवार ऊन द्वारा 35 वा नि:शुल्क एकादशी कीर्तन

क्यूँ न लिखूँ सच -अश्विन नामदेव

झिझाना- ऊन भजन संध्या की रात्रि में कस्बा ऊन में बाबा खाटू श्याम परिवार ऊन द्वारा चौधरी अंकित चिकारा जी के आवास पर बाबा श्याम का भव्य 35 वा निशुल्क एकादशी कीर्तन किया गया जिसमें बाहर से आए भजन गायको ने वहां मौजूद श्याम बाबा के प्रेमियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में सुन्दर भजनों के साथ-साथ सुन्दर झांकियां भी दिखाई गई। भक्तो ने प्रेम विभोर होकर नृत्य कर बाबा के प्रति अपना भक्ति भाव दिखाया और सभी ने बाबा के जय कारें लगाकर आनंद लिया। कार्यक्रम उपरांत बाबा की आरती कर प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में बाबा के भक्त मौजूद रहे।

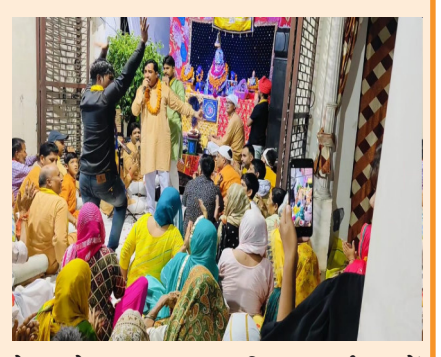

शुक्रवार को 206 बच्चों ने पुलिस भर्ती परीक्षा छोड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।नगर के दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज में शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक आशीष कुमार सिंह, मजिस्ट्रेट विजय कुमार, अर्जुन सिंह यादव,संजीव कटियार, परीक्षा प्रमुख रघुवीर सरन, कुसुम गंगवार, रामसिंह,डॉक्टर राजेश कुमार गंगवार,के नेतृत्व में दो पालियों में शुरू हुई।प्रथम पाली में चार सौ अस्सी में एक सौ छात्रों ने दूसरी पाली में चार सौ अस्सी में एक सौ छह बच्चों ने परीक्षा छोड़ दी।इस दौरान क्षेत्राधिकारी नवाबगंज हर्ष मोदी,क्षेत्रीय लेखपाल दिनेश कुमार सिंह, थानाध्यक्ष जगत सिंह, चौकी प्रभारी सौरभ यादव सहित भारी फोर्स मौजूद रहा

आर्यावर्त बैंक मेनेजर का किया स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद -पनेठी स्थित आर्यावर्त बैंक मेनेजर का क्षेत्र के किसानों के प्रति सकारात्मक व्यवहार के चलते भारतीय

हलधर किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया गया। यूनियन के मंडल अध्यक्ष निर्मल यादव ने कहा मेनेजर अजीत चौधरी द्वारा क्षेत्र के किसानों का प्राथमिकता के साथ काम किया जा रहा है। मेनेजर ने कहा वह किसानों की केसीसी सहित अन्य जनता के काम के लिए तत्पर हैं। किसी को बैंक से निराश नहीं लौटने दिया जायेगा। इस मौके पर राकेश सिंह प्रधान, प्रदेश महासचिव लवकुश वीआईपी ठाकुर पत्रकार मीडिया प्रभारी रामनरेश यादव, जिला सचिव प्रदीप तोमर, लाल सिंह, सतेंद्र पाल सिंह मंडल उपाध्यक्ष ने मैनेजर का फूलमालाएं पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया।

मोबाइल लूटकर भागे लुटेरे, गिरफ्तार कर भेजे जेल

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज। कस्बा के बैरामगढ़ी बंबा से छात्रा का मोबाइललूटकर भागे लुटेरों को पुलिस ने तमंचा सहित गिरफ्तार

कर जेल भेजा है। गांव कलाई मीरपुर निवासी छात्रा निशा पुत्री धर्मपाल सिंह दोपहर में कालेज से टेंपो में बैठकर घर लौट रही थी। बैरामगढ़ी बंबा पर टेंपो की गति धीमी होते ही पीछे से बाइक पर आए दो बदमाश निशा के हाथ से मोबाइल छीनकर थाने की ओर भाग गए थे। इंस्पेक्टर विपिन कुमार ने बताया कि घटना को अंजाम देने वाले बदमाश द्वारिकाप्रसाद उर्फ नंगा पुत्र फूल सिंह व संजय पुत्र रामजीत निवासी मोहल्ला अहरपाड़ा हरदुआगंज को लूटे गए मोबाइल व 10 हजार रुपये की नकदी, एक बाइक, तमंचा व कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाशों ने पिछले दिनों अतरौली के ग्राम इज्जतपुर रजबहा के पास हुई लूट की घटना करना भी स्वीकार किया है। दोनों को जेल भेज दिया गया है।

Follow this easy recipe to make Dhaba style Chur Chur Naan, not just kids; even adults will praise it

Now you don't have to go to any Dhaba or restaurant to eat Chur Chur Naan. Actually today we have brought you the wonderful recipe of Dhaba style Chur Chur Naan which is perfect for any occasion. In such a situation, this time you can also serve this Amritsari Naan to the guests instead of feeding them the same simple roti or paratha. You must have also

eaten Chur Chur Naan at the Dhaba. Its taste with Amritsari Chole ki Thali or Rasedaar Aloo ki Sabzi satisfies everyone, but today we are going to tell you its wonderful recipe, with the help of which it can be easily made at home too. Ingredients for making Chur Chur Naan- Flour- 2 cups Curd- 1/2 cup Oil- 2 tbsp Salt- according to taste Baking powder- 1/2 tsp Ajwain- 1/2 tsp Water- as required- for frying Ghee or oil Recipe for making Chur Chur Naan To make Chur Chur Naan, first of all put flour, curd, oil, salt, baking powder and ajwain in a big vessel and mix well. After this, add little water and knead soft dough and keep this dough covered for 15-20 minutes. Then divide the kneaded dough into small pieces. Roll each piece by making it slightly round. Now press the rolled dough lightly with your hands to widen it a little, then pull it lightly and make it a little thin. After this, heat a pan to make naan. Roll the naan on the hot pan and then bake it on low flame till it becomes golden on both sides. Remember, while baking, press the naan a little so that it becomes flaky. After this, apply ghee on the baked naan and serve it hot. Also keep these things in mind - While kneading the dough, add water slowly so that the dough is neither too hard nor too soft. While rolling the naan, work with light hands so that it does not tear. While baking the naan, keep the flame low so that it gets cooked from inside and remains crispy from outside. If you want, you can also add spices of your choice to the naan. Chur Chur Naan can be served with curd, chutney or vegetable.

Now there is no need to eat bland food for weight loss, make tasty cutlets with these easy methods

To take care of your health, it is important that we control our weight. Being overweight can be harmful for health. However, for this you need to improve your diet. For weight loss (Recipes for Weight Loss) you can include some tasty cutlets (Cutlet Recipe) made in a healthy way in your diet. Due to today's lifestyle and eating habits, people are often troubled by their increasing weight. To lose weight, along with gym, people also resort to dieting, in which they usually reduce their food or eat almost nothing. However, dieting without consulting a doctor can also be dangerous. On top of that, people often consider tasteless food to be healthy, but let us tell

you that this is not so. Healthy food can also be very tasty. You just need to know which food is beneficial for your health and which food is not. Therefore, in this article we have brought some special cutlet recipes, which will help in losing weight and you will not have to eat tasteless food. Let's know the recipe for making cutlets. Spinach and Chickpea Cutlet Ingredients: Chickpeas - 1 cup (boiled) Spinach - 1 cup (chopped and boiled) Potato - 1/2 cup (boiled and mashed) Mint - 1/4 cup (chopped) Green chili - (finely chopped) Cumin powder - 1 tsp Coriander powder - 1 tsp Turmeric powder - 1/4 tsp Garam masala -1/2 tsp Salt - according to taste Bread crumbs or oats - 1/2 cup Method: To make spinach chickpea cutlet, first of all put boiled chickpeas, boiled spinach, mashed potatoes, mint and green chili in a bowl. Now add cumin powder, coriander powder, turmeric powder, garam masala and salt to it and mix it well. Now make balls from the mixture and flatten them and give them the shape of cutlets. Wrap the cutlets in bread crumbs or oats. Now preheat the oven to 180°C. Place paper on the baking tray and bake the cutlets for 15-20 minutes and serve and eat hot. Oats Cutlets- Ingredients: Oats- 1 cup Potatoes- 1 cup boiled and mashed Carrots- 1/2 cup Grated green peas- 1/2 cup Boiled coriander leaves- 1/2 cup Chopped green chili- 1 finely chopped Cumin powder- 1/2 tsp Coriander powder- 1/2 tsp Turmeric powder- 1/4 tsp Chat masala- 1/2 tsp Salt according to taste Bread crumbs or oats- 1/2 cup Method: To make oats cutlets, first lightly fry the oats in a pan so that they become crispy and cool them. Now put boiled potatoes, carrots, green peas, green coriander and green chillies in a bowl. Now add cumin powder, coriander powder, turmeric powder, chaat masala and salt and mix it well. Now make balls from this mixture and flatten them and give them the shape of cutlets. Wrap the cutlets in bread crumbs or oats. Now preheat the oven to 180°C and place paper on the baking tray and bake the cutlets for 15-20 minutes until they become crispy and golden. Serve it hot and eat.

These 8 things increase the distance between parents and children! You should also be careful, otherwise you will regret later

Many parents complain that children are getting away from them and prefer to stay isolated at home. If you are also worried seeing your happy and laughing child becoming silent or want to be careful before such a situation arises, then this article is for you. Let us tell you 8 reasons for this (Reasons for distance between parents and children). Today the distance between parents and children is increasing to a great extent. To reduce the increasing distance, it is very important to know the reason behind it. Every parent wants a better relationship with their children throughout their life. The relationship between parents and children (Parent Child Relationship) sometimes comes to such a point, from where everything looks blurred. Many times parents are making some mistakes knowingly or unknowingly, while in many cases some other reasons are responsible for this. It is important to reduce these increasing distances in time, for which first of all you should also know the reasons behind it. When a happy and joking child starts keeping distance from parents, then these 8 reasons can be behind it. That is why children start keeping distance from parents- Effect of friends: Children's friendship leaves a very deep impression on them. If the behavior or thoughts of the child's friends are different from him, then he can feel different from his parents. In this condition, he can distance himself from his parents by coming under the influence of his friends. School pressure: School pressure is a big reason behind the mental stress of children. When the child is not able to perform well in school or feels stressed due to some reason, then he brings the same stress to his home as well. In such a situation, he hesitates to talk to the parents or starts keeping distance from them. Changing nature: As the child grows up, his nature also changes. It is often difficult for parents to understand this change. When the child feels uncomfortable in talking to his parents, he can distance himself.Behavior of parents: The behavior of parents also has a great impact on the behavior of children. If the parents always behave strictly with the child or do not try to understand their feelings, then the child can reduce conversation. Effect of technology: If children spend more time with mobile phones, computers or other gadgets, then their behavior can also change. Spending more time with technology reduces family time and distances with parents start increasing. This applies to parents as well as children. Personal problems: Sometimes children may have some problems related to their personal life which they do not want to share with their parents. Due to these problems also the child can distance himself from his parents. If parents are busy: The busyness of parents also affects the behavior of children. If parents do not spend enough time with their children, the child may feel distanced from them. Mental issues: In some cases, children may also have mental health problems which can change their behavior. If the child is keeping distance from his parents and other abnormalities are also visible in his behavior, then it is possible that he has a mental health problem. Apart from these reasons, there can be many other reasons due to which the child can keep distance from his parents. If your child is also keeping distance from you, then you should talk to him openly and try to understand what he is feeling. If you feel that the child has any mental health problem, then there is no harm in taking the help of a psychologist.

Amitabh Bachchan used to live in a room with 8 people in Kolkata, there used to be a 'struggle' to sleep on the bed

Amitabh Bachchan has recalled those days in the quiz show Kaun Banega Crorepati 16 when he used to work in Kolkata before acting. The actor had to survive in a city like Kolkata with little money. He told how he used to live in a room with 8 people. Amitabh Bachchan used to work in Kolkata before acting Amitabh Bachchan used to get only Rs 400 salary from his job Amitabh used to live in a room with 8 people in Kolkata Amitabh Bachchan may be called the superstar of the century today, but he has worked very hard to reach this point. He used to make a living by doing small jobs before acting. Recently, Big B has recalled his days of struggle and told that once he used to live in a room with 8 people. These days Amitabh Bachchan is hosting the quiz based reality show Kaun Banega Crorepati 16. In a recent episode of KBC, a contestant told that he lives in a single room with 8 people in Pune, then Amitabh Bachchan said that he was not surprised to hear this, because he himself used to live with 8 people. Amitabh Bachchan struggled in Kolkata- Amitabh Bachchan said, "8 people in one room? We were not surprised by 8. When we went to find a job after completing our college studies, we went to Kolkata. Somehow we got a job there for 400 rupees a month. There too, Sir, where we were living, 8 people were in one room. It was a lot of fun. We were 8 people and there were two beds. We had to sleep on the floor. We were happy with each other. There used to be fights among ourselves that who will sleep here today, who will sleep on the bed and who will stay on the bed." Amitabh Bachchan earned fame in acting- After working in Kolkata, Amitabh Bachchan tried his hand in films and after many rejections, he debuted with the film Saat Hindustani (1969). Today he is called the emperor of cinema. The actor was last seen in the role of Ashwatthama in Kalki 2898 AD. He was a hit in this role. These days he is shooting for the film Vettaiyan with Rajinikanth.

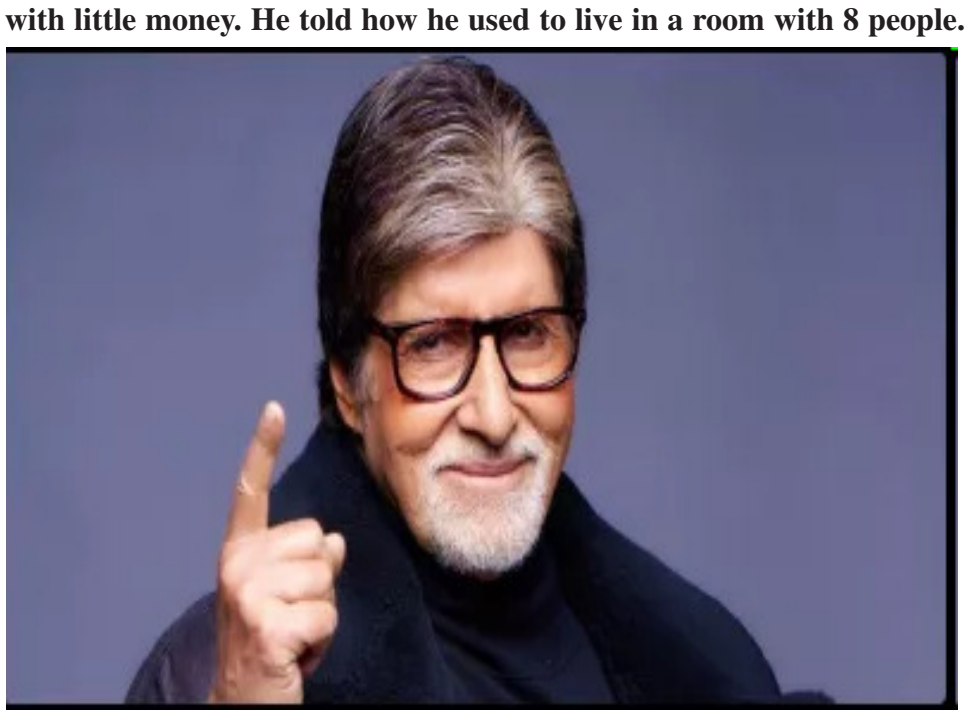

Gautami Kapoor was heartbroken after being replaced from the project, 'Gyaar Gyaar' actress shared her experience

Famous television actress Gautami Kapoor has earned a lot of fame through her work. Fans still remember her in the role of an ideal daughter-in-law. Gautami has been away from acting for a long time. However, now she has returned to acting with Gyaar Gyaar. During this, the actress talked about many things. Actress Gautami Kapoor, who was busy raising children till now, has returned to the world of acting. Recently, after working in Jio Cinema's web series 'Gyaar Gyaar', she is also shooting films. Quick answers to some questions from her... What is a weekend for you? - There is no weekend in the life of an artist. Recently I have shot a long schedule of a film. The second schedule will start from September. I was not able to understand what to do by staying at home. I think artists are workaholics. You are fond of traveling. Where do you want to go? My daughter has gone to New York for studies. So I want to go there. What is the importance of internet media? - It is important, but not necessary. I am only on Instagram because I was told that I should be on it for work. I have been fond of dance since childhood. A few years ago, when the era of reels came, I made a reel which became a hit. For me, it is not important to post reels, but to make them. It is like therapy for me. Whose call from the industry are you eagerly waiting for? Any good filmmaker who gives me work, I am ready to do it. As long as I can work, I will do it. Have you ever felt sad about being replaced from a project? Yes, that is the past. However, whatever happened happened for good. Is there anything that you never left during your break from acting? You never left taking care of your fitness. I go to the gym every day. Do you have any secret skill? - I do good skin treatment. Reason, my father is a dermatologist. Although I do not publicise it, but if my advice helps someone, that is enough. One habit of yours that you would not like to change? - I am very down to earth. I will never change the values ??that my parents have given me.

'We are fake heroes and heroines,' Kangana Ranaut spoke bluntly on many serious issues of the industry

MP and actress Kangana Ranaut is going to be seen in the film Emergency in the coming time. After coming into politics, her career has come to a new turn. Before the release of the film, Kangana has spoken openly about it and called herself a fake heroine. Let us know why she has said so. Kangana Ranaut will be seen in the film Emergency Kangana is an MP from Mandi, Himachal Pradesh - Kangana spoke openly about Indira GandhiActress Kangana Ranaut, who became a BJP MP from Mandi, Himachal Pradesh, is very excited about her new responsibility. Her film Emergency will be released in theaters on September 6. At the center of the story of the film will be the former Prime Minister of the country, Indira Gandhi, who had declared emergency in the country. Apart from acting, Kangana has also written and directed the film. Kangana has had a special conversation with Jagran on many issues. How was your experience of the first day in Parliament? - Call it the law of destiny or my fate. Whether it was the role of Jayalalitha (former Chief Minister of Tamil Nadu) or Mrs. Indira Gandhi, Parliament has been echoing a lot in my life for the last few years, while we had no idea that such a possibility could arise. When the new Parliament was formed, the Women's Reservation Bill was passed, many artists were invited there that day. I also went there on this occasion, but going there as an MP was a very emotional moment. When we went there, it felt as if we had come to our own home. Have people's expectations increased more than you? - Look, I am telling you one thing seriously, we are fake heroes and heroines. The real work is yet to be done and we are learning it now. Actually, when you are doing fake firing or dialogue or fighting a fake villain, even then idealistic values ??come to your mind that this is how it should be, but when you go to the ground and are aware of the ground reality, then all your fears vanish. One thing is true that yes, we are also in such a role. Like I am from Mandi constituency and when there was a flood there, I saw how sad the people were. In such a situation, I feel that if it was in my control, I would change this scene itself. This is wrong. We cannot even imagine the pain and suffering that we actually see. Whether it is our soldiers or doctors or policemen, they are our real heroes. We are heroes and heroines only in name. However, that line has its own pain and suffering and their pain and suffering is even more. Yes, as an MP, if anyone has to ask a question to the Ministry of Information and Broadcasting, then I will be happy to ask the question on their behalf. By the way, I also have my own issues regarding violence shown in films and the portrayal of women etc. I keep raising those issues. How was the journey from being a dumb doll to a dictator? - You will see that in the film. A woman who is in a powerful position and how she has worked. I believe that there are many types of love stories. There is love between mother and son, there is love between friends and there is love between leaders and the public. However, our country is full of diversity. This is the reason that the people here sometimes love their leaders and sometimes start hating them. What would have been the chemistry of this, this thing attracted me a lot, because women are more emotional. Mostly they operate themselves with emotions only. Being an artist, it attracted me that I have to show this love story to the world. When did you face an emergency like situation in your real life? - My father had imposed it in my house when I was young. Our father was very strict and still is. Where are you going? Why are you going? There was such an emergency like atmosphere in our house. Kangana's opinion on the issue of artist's fees- To be honest, nowadays the film industry is going through a different phase. If we look at history, first there was literature, then came theatre. The demand for literature decreased, then came cinema. Now the new era is moving from cinema to digitalization. There was definitely a time when the issue of fees did not bother anyone, but now it does. Now not only the artistes but the rest of the people with them will also have to make some adjustments with the changing times. If they do not adjust, then their existence will also end prematurely. Especially Bollywood films are going through a very difficult phase. If a person does not change with the times, then he will be finished. What questions were raised about making a film on Indira Gandhi- See, when I started the film, I had no connection with politics at all. The special thing is that I had completed this film before getting the ticket for the Lok Sabha elections. Its post production was also done. Earlier this film was to be released in November last year, but at that time there was talk of merger of Zee Studio. However, that did not happen, then there was talk of releasing this film in June. Then there was talk of me contesting elections, of which I had no knowledge. Now the third release date has been announced as 6 September. As an artist, I have been working in the industry for 20 years. I got my first film in the year 2004. As an artist, whatever roles I have played, whether they were negative or positive, I have done justice to every role of mine. I have entered politics only a few months ago, but I will not let anyone question my integrity as an artist. Her perspective has changed so much – it has completely changed. When she became the Prime Minister, people took her lightly, but it was not so. I have read her biography. I feel that whatever she did for the country cannot be denied. It is very important for our youth to know that even if you have done something good, if you become arrogant, then it is wrong. I feel that we all should learn a lot from the life of Mrs. Indira Gandhi. I believe that we should call good what is good and bad what is bad. Every person has both good and bad aspects. It should be up to us to decide what we have learned and also reflect on it.